सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

सु-विचार
"Your life your rules"
अपनी जिंदगी के .. चित्रकार खुद बने..
जो रंग मन को भाए .....वही भरें.. ।
....अज्ञात

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–16 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 03 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

भिलाई के मयंक की अमेरिका में बड़ी सफलता, हिंदी–यूएसए को मिली मान्यता

स्टोरी ऑफ द डे

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इस्पात नगरी भिलाई से अमेरिका जाकर हिंदी की सेवा कर रहे सॉफ्टवेयर इंजीनियर मयंक जैन के खाते में बड़ी सफलता दर्ज हुई है। उनकी संस्था हिंदी-यूएसए को अमेरिका में एसीएस-डब्ल्यूएएससी से प्रारंभिक मान्यता मिल गई है। हिंदी यूएसए के वर्तमान संस्थापक एवं समन्वयक मयंक जैन ने अपनी यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ और भिलाई वासियों से साझा करते हुए कहा है कि यह सफलता हिंदी यूएसए की शैक्षणिक गुणवत्ता, संगठनात्मक उत्कृष्टता और निरंतर सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे अमेरिका में हिंदी के प्रति और ज्यादा समर्पण के साथ काम करने प्रोत्साहन मिला है।

सेंट लुइस, मिसूरी में रह रहे मयंक जैन ने बताया कि उनके संस्थान हिंदी यूएसए को अमेरिका की वैधानिक और अधिकृत संगठन एक्रीडिटिंग कमीशन फॉर स्कूल्स, वेस्टर्न एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स एंड कॉलेजेस (एसीएस-डब्ल्यूएएससी) ने मान्यता प्रदान की है। यह मान्यता एक विस्तृत आत्म-मूल्यांकन प्रक्रिया और डब्ल्यूएएससी की आधिकारिक निरीक्षण टीम द्वारा किए गए मूल्यांकन के बाद प्रदान की गई। इस प्रक्रिया में हिन्दी यूएसए की शैक्षणिक संरचना, शिक्षण पद्धतियों, नेतृत्व क्षमता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण का मूल्यांकन किया गया।

मयंक जैन ने बताया कि उनके लिए यह लगभग दो वर्षों की यात्रा चुनौतीपूर्ण रही। शुरुआत कॉन्सिया के साथ की थी और बाद में अपनी दीर्घकालिक दृष्टि के अनुरूप डब्ल्यूएएससी को चुना। इसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। इस मौके पर डब्ल्यूएएससी की निरीक्षण समिति की सदस्य एलिजाबेथ ओबरराइटर ने कहा कि हिंदी-यूएसए का पाठ्यक्रम अत्यंत सशक्त है, शिक्षक अत्यंत प्रेरित हैं। सबसे सराहनीय बात यह है कि जो छात्र कभी यहाँ अध्ययन करते थे, वे आज स्वयं शिक्षक बनकर समाज को अपना श्रेष्ठ लौटा रहे हैं।

जानिए हिंदी-यूएसए के बारे में

हिंदी यूएसए की स्थापना लगभग 25 वर्ष पूर्व न्यू जर्सी में देवेंद्र सिंह, रचित सिंह और राज मित्तल ने की थी। वर्तमान में मयंक जैन व उनकी पत्नी अंशु जैन के प्रयासों से यह संस्था अमेरिका के 29 स्कूलों में संचालित हो रही है और देश की सबसे बड़ी गैर-लाभकारी हिंदी भाषा संस्थाओं में से एक है। यह संस्थान एक पंजीकृत 501 (सी) (3) संगठन के रूप में, हिंदी यूएसए 4,000 से अधिक छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिसमें 350 से अधिक स्वयंसेवी शिक्षक और समन्वयक सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। समुदाय-आधारित मॉडल पर कार्य करने वाला हिंदी यूएसए आज अमेरिका का सबसे बड़ा स्वयंसेवी हिंदी शिक्षा संगठन माना जाता है, जो हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

शाम-ए-ग़ज़ल' का आयोजन 8 को

भिलाई। प्रगतिशील जन-विचारधारा की साहित्यिक संस्था 'आरंभ' के तत्वावधान में 'शाम-ए-ग़ज़ल' का आयोजन रविवार 8 फरवरी को किया जा रहा है। 'आरंभ' के अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य ने बताया कि दोपहर 1.30 बजे भिलाई निवास (इंडियन कॉफी हाउस सभागार) में आयोजन किया गया है, जिसमें अब्दुल लतीफ खान, अब्दुल सलाम कौसर, सुखनवर हुसैन, आलिम नकवी, आर. डी. अहिरवार, पूरन जायसवाल, इरफानुद्दीन इरफान, डॉ. नौशाद अहमद सिद्दीकी 'सब्र', राकेश गुप्ता 'रुसिया' और शाहीन अंसारी आमंत्रित शायर होंगे। वहीं 'आरंभ' के मुख्य संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा, मुख्य सलाहकार डॉ. महेश चंद्र शर्मा, हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग के रजिस्ट्रार भूपेंद्र कुलदीप, सुप्रसिद्ध कवयित्री संतोष झांझी और जनवादी अंतरराष्ट्रीय शायर मुमताज अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे। शाम-ए-ग़ज़ल में सद्र-ए-मुशायरा अब्दुल लतीफ खान होंगे और संचालन 'आरंभ' की महासचिव शायरा कवयित्री नूरुस्सबाह खान 'सबा' करेंगी। प्रारंभिक संचालन 'आरंभ' की कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रजनी नेलसन और आभार व्यक्त शानू मोहनन करेंगी।

जल शुल्क में बढ़ोतरी, आम जनता पर नहीं पड़ेगा इसका असर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने पानी के इस्तेमाल पर शुल्क बढ़ाने का फैसला किया है। पानी के नए शुल्क को लेकर जल संसाधन विभाग ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है और पानी की नई दरें बीते कल यानी 2 फरवरी 2026 यानि कल से ही लागू कर दी गई है। बता दें कि 5 साल पहले पानी के इस्तेमाल पर लिए जाने वाले शुल्क में संशोधन किया गया था। हालांकि सरकार के इस फैसले का आम जनता को सीधा असर नहीं होगा। ये फैसला उद्योगों के लिए लिया गया है। सरकार ने पानी को संसाधन संरक्षण, राजस्व वृद्धि और भू-जल दोहन रोकने के लक्ष्य से इस नई दर संरचना को लागू किया है। मिली जानकारी के अनुसार 2 फरवरी से लागू पारी की दरें उद्योगों के साथ ही थर्मल और हाइड्रो विद्युत रियोजना पर लागू होगी। जल संसाधन विभाग की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार अब उद्योगों को 300 से 360 रुपए प्रति घन मीटर शुल्क का भुगतान करना होगा। वहीं, अगर प्लांट में पानी का खुद का स्त्रोत यानि बोर है तो 150 रुपए प्रति घन मीटर की दर से शुल्क का भुगतान करना होगा। इसके साथ ही लघु जल विद्युत परियोजना पर भी शुल्क बढ़ाया गया है, ऐसे उद्योगों को 7.50 से लेकर ?15 प्रति घन मीटर चार्ज लगेगा।

बस को ट्रक ने मारी टक्कर, एक मौत, 15 घायल

सूरजपुर। श्रद्धालुओं को लेकर बनारस जा रही एक यात्री बस सोमवार देर रात सड़क हादसे का शिकार हो गई। अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर गंगापुर के पास पीछे से आ रहे एक ट्रक ने बस को टक्कर मार दी, जिससे बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस दुर्घटना में लगभग 15 श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि एक गंभीर रूप से घायल यात्री की अंबिकापुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा लटोरी पुलिस चौकी क्षेत्र में हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया।

दुर्ग कलेक्टर ने दिया जांच का आदेश, एसडीएम बनाएंगे जांच समिति

परियोजना शाखा: विकास का केंद्र या भ्रष्टाचार का अड्डा?

आलोक तिवारी / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की परियोजना शाखा का गठन राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं, बड़े पुलों, चौड़ी सड़कों, आधुनिक निर्माण कार्यों और शहर की सुंदरता बढ़ाने वाले विशेष प्रोजेक्ट्स के लिए किया गया था। उद्देश्य था–शहर को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाना। लेकिन आज यही शाखा अपनी मूल भूमिका से भटककर गंभीर सवालों के घेरे में खड़ी है। जिस शाखा से भिलाई के भविष्य की नींव रखी जानी थी, वह आज छोटे-मोटे वृक्षारोपण, वाहन शाखा के कार्य और जोन स्तर के निवेदनों में उलझी नजर आ रही है। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि व्यवस्था को जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है।

आयुक्त की भूमिका पर सवाल

सबसे गंभीर सवाल यह है कि परियोजना शाखा में आयुक्त महोदय की रुचि हमेशा असामान्य रूप से अधिक क्यों रहती है? सूत्रों के अनुसार, कुछ चुनिंदा एजेंसियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से यहां पसंदीदा उप अभियंता, सहायक अभियंता और कार्यपालन अभियंता की तैनाती की जाती है। इससे पूरी प्रणाली एक मैनेज सिस्टम के तहत संचालित होती दिखाई देती है।

निविदाओं में नियमों का खेल जहां निगम के पांचों जोनों में सामान्य निविदाएं बिना जटिल शर्तों के आमंत्रित की जाती हैं, वहीं परियोजना शाखा की निविदाओं में ऐसे नियम जोड़े जाते हैं, जिससे स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा समाप्त हो जाए। इसका सीधा लाभ कुछ खास ठेकेदारों को मिलता है, जबकि योग्य एजेंसियां बाहर हो जाती हैं।

विवादों भरी परियोजना शाखा

पेवर ब्लॉक, वर्टिकल गार्डन, डोमशेड, वृक्षारोपण और स्वच्छता सामग्री से जुड़े कार्य वर्षों से विवादों में रहे हैं। वार्ड 15 के पार्षद संतोष मौर्य ने इन कार्यों को लेकर खुले मंच से गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने यहां तक कहा कि– यदि उनके आरोप गलत साबित होते हैं, तो उनकी पार्षद सदस्यता समाप्त कर

दी जाए। इसके लिए उन्होंने शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया। इतनी बड़ी चुनौती के बावजूद दो महीने बीत जाने के बाद भी कोई निर्णायक कार्रवाई सामने नहीं आई।

भ्रष्टाचार पर पर्दे का प्रयास

12 करोड़ का पेवर ब्लॉक घोटाला! अक्टूबर 2025 की सामान्य सभा में प्रस्तुत आरोपों के अनुसार–13 फरवरी 2023 से 8 अप्रैल 2025 के बीच लगभग 33 कार्यों में हेरफेर किया गया। इनमें शामिल थे–पेवर ब्लॉक, वेंडिंग जोन, प्लेटफार्म निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, फुटपाथ निर्माण, इन कार्यों को बाद में बिना पुनः स्वीकृति के पेवर ब्लॉक में बदल दिया गया। कुल लागतः लगभग 12.66 करोड़ (अनुमानित)। है। क्या यह केवल संयोग है या सुनियोजित घोटाला?

जांच भी अपनों से?

जब मामला सांसद, मुख्यमंत्री और पीएमओ तक पहुंचा, तब जांच प्रक्रिया शुरू हुई। लेकिन प्रारंभ में उन्हीं अधिकारियों को जांच समिति में शामिल कर दिया गया, जिन पर आरोप थे– अधीक्षण अभियंता और कार्यपालन अभियंता यानी खुद की जांच खुद से। शिकायतकर्ता की आपत्ति के बाद दबाव में जांच समिति बनाने एसडीएम छावनी को नियुक्त किया गया है। लेकिन जनता का भरोसा डगमगाता नजर आ रहा है।

जांच के मुख्य आरोप

आवेदन में स्पष्ट उल्लेख है– कई स्थानों पर कार्य हुआ ही नहीं, स्वीकृति के अनुसार कार्य नहीं कराया गया, भुगतान कार्य के अनुरूप नहीं किया गया, इरछ क्षेत्र में बिना ठडड निर्माण, कई कार्य स्थल से गायब, ये आरोप केवल लापरवाही नहीं, बल्कि गंभीर आर्थिक अपराध की ओर इशारा करते हैं।

शपथ पत्र पर भी देरी क्यों?

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि– जब पार्षद संतोष मौर्य इतने आश्वस्त हैं कि शपथ पत्र देकर अपने आरोपों की पुष्टि कर रहे हैं, तो जांच समिति निर्णय लेने में देरी क्यों कर रही है? यदि आरोप सही हैं, तो दोषियों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि गलत हैं, तो स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की जा रही? यह अनिर्णय प्रशासन की नीयत पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

जनता का सवाल-जबाब

अब भिलाई की जनता सीधे सवाल कर रही है। क्या परियोजना शाखा भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बन चुकी है? क्या आयुक्त और अधिकारी जवाबदेही से ऊपर हैं? कब तक बेखौफ भ्रष्टाचार को संरक्षण मिलता रहेगा?

कार्रवाई कब होगी?

यदि यह मामला भी ठंडे बस्ते में चला गया, तो यह साबित हो जाएगा कि निगम में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल दिखावटी है। अब समय आ गया है कि शासन स्वयं हस्तक्षेप करे, स्वतंत्र और निष्पक्ष एजेंसी से जांच कराए और दोषियों को सार्वजनिक रूप से बेनकाब करे–वरना जनता अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर होगी।

चुप्पी सबसे बड़ा सवाल

करोड़ों के आरोप, सांसद से लेकर पीएमओ तक शिकायत, मीडिया में खुलासे–इसके बावजूद कार्रवाई में देरी कई अधिकारी, कोई जिम्मेदार अफसर इस मुद्दे को गंभीरता से लेगा? क्या कोई शासन से जमीन मांगने की हिम्मत करेगा? क्या कोई इस थाने को नया स्वरूप देने का बीड़ा उठाएगा? या फिर हर अधिकारी फाइल आगे बढ़ाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ता रहेगा?

जनता का सीधा सवाल

अब क्षेत्र की जनता सीधे पूछ रही है। क्या स्मृति नगर थाना सिर्फ नाम का थाना है? क्या यह हमेशा अस्थायी ही रहेगा? क्या यहां की सुरक्षा भगवान भरोसे छोड़ दी गई है? क्या प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार है? अगर जल्द ही भूमि आवंटन, भवन निर्माण और परिसीमन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई, तो यह साबित हो जाएगा कि स्मृति नगर थाना शासन की प्राथमिकता सूची में कहीं नहीं है। अब समय आ गया है कि जिम्मेदार अधिकारी नींद से जागें, फाइलों से बाहर निकलें और जमीन पर काम करें–वरना जनता अपने हक के लिए सड़कों पर उतरने से पीछे नहीं हटेगी।

आज कल में बन जाएगी जांच समिति

अनुविभागीय अधिकारी हितेश पिस्दा ने नईदृष्टिबिंदु को जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर के निर्देश के बाद परियोजना शाखा में भ्रष्टाचार को लेकर शिकायत की जांच के लिए समिति बनाने का निर्देश दिया है। एक–दो दिनों के भीतर समिति गठित कर दी जाएगी। जांच समिति सभी बिंदुओं पर विस्तृत जांच कर अपनी रिपोर्ट कलेक्टर अभिजीत सिंह को सौंपेगी।

एसडीएम देख रहे हैं मामले को

पार्षद संतोष मौर्या द्वारा की गई शिकायत की जांच एसडीएम हेमंत पिस्दा देख रहे हैं, उन्हीं के निर्देशन में समिति का गठन होना है। इस मामले की जानकारी वही बता सकते हैं। परियोजना शाखा में टेंडर नियमानुसार किए जाते हैं।

संजय अग्रवाल
कार्यपालन अभियंता
परियोजना शाखा

जरुरत पड़ी तो जाएंगे न्यायालय की शरण में

पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष व वरिष्ठ पार्षद महेश वर्मा का कहना है कि परियोजना शाखा में भ्रष्टाचार के रोज नए कीर्तिमान बनाए जा रहे हैं। पार्षदों द्वारा जब जानकारी मांगी जाती है तो अधिकारी फाइल दबाने की कोशिश करते हैं। परियोजना शाखा में गंभीर शिकायत पार्षद संतोष मौर्या द्वारा कीगई है। उचित कार्रवाई नहीं हुई तो न्यायालय की शरण में जाया जाएगा।

बनी है समिति

जिला भाजपा ने भिलाई निगम की अनियमितता और जन समस्या के मुद्दों को लेकर एक समिति बनाई है। समिति शीघ्र अपने दायित्व पर काम करेंगी।

वीणा चंद्राकर
सचेतक निगम भाजपा पार्षद दल

परियोजना शाखा अंतर्गत जिस प्रकार से पेवर ब्लॉक से संबंधित फाइलों की जानकारी को छुपाया जा रहा है और लगातार जांच समिति के गठन को लेकर गुमराह किया जा रहा है इससे प्रतीत होता है कि मेरे लगाए हुए आरोप पूर्ण रूप से सत्य है।

पार्षद संतोष मौर्या
वार्ड–15 अंबेडकर नगर

भाजपा ने बनाई जिला स्तरीय समिति

भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई ने नगर पालिक निगम भिलाई में आर्थिक अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं से जुड़े मामलों की निगरानी के लिए भाजपा पार्षदों की जिला स्तरीय समिति का गठन किया है। जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने प्रदेश संगठन के निर्देश एवं जिला प्रभारी रामजी भारती की सहमति से समिति की घोषणा की। समिति के संयोजक पूर्व सभापति पी. श्याम सुंदर राव को बनाया गया है। समिति में महेश वर्मा, भोजराज सिन्हा, दया सिंह, पीयूष मिश्रा और वीणा चन्द्राकर को सदस्य बनाया गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

संदेह पैदा करती है। क्या बड़े नामों को बचाया जा रहा है? क्या जांच को जानबूझकर लंबा खींचा जा रहा है? क्या दोषियों को क्लीन चिट देने की तैयारी है?

सौतेला व्यवहार | स्मृति नगर थाना किसी की प्राथमिकता सूची में है ही नहीं?

स्मृति नगर थाना: कागजों में मजबूत, जमीन पर बेबस!

संदीप सिंह / भिलाई

भिलाई जैसे तेजी से बढ़ते औद्योगिक और शैक्षणिक शहर में स्थित स्मृति नगर पुलिस थाना आज प्रशासनिक उपेक्षा का सबसे बड़ा उदाहरण बन चुका है। वर्ष 2023 में इसे थाना का दर्जा मिला, लेकिन तीन साल बाद भी न जमीन, न भवन और न ही स्पष्ट क्षेत्राधिकार– सब कुछ अधर में लटका हुआ है।

सबसे बड़ा सवाल यह है– जहां एक ओर इस थाना क्षेत्र के अंतर्गत मेडिकल कॉलेज, निजी अस्पताल, दर्जनों शिक्षण संस्थान, व्यावसायिक केंद्र और हजारों परिवार रहते हैं, वहीं दूसरी ओर पुलिस आज भी सीमित संसाधनों और अस्थायी व्यवस्था के भरोसे काम कर रही है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि सीधे-सीधे जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ है। जब बजट में शामिल हुआ, तो जमीन कहां गई? जब 2023 के राज्य बजट

में स्मृति नगर थाना को शामिल किया गया, तो सवाल उठता है कि उसके बाद क्या हुआ? क्या फाइलें सिर्फ दफ्तरों की अलमारियों में धूल खाने के लिए थीं? क्या किसी अफसर ने कभी जमीन तलाशने की जहमत उठाई? आज तक थाना के लिए एक इंच जमीन तक चिन्हित नहीं की गई। न भवन की योजना बनी, न निर्माण की शुरुआत हुई।

परिसीमन नहीं, जिम्मेदारी नहीं!

और सबसे चिंताजनक बात–अब तक थाना क्षेत्र का विधिवत परिसीमन भी नहीं हुआ। मतलब साफ है: न स्पष्ट अधिकार, न स्पष्ट जिम्मेदारी। ऐसे में अपराध की जांच हो या कानून व्यवस्था की बात–हर मोर्चे पर भ्रम और अव्यवस्था बनी रहती है। वैशाली नगर को नया भवन, स्मृति नगर को उपेक्षा! वैशाली नगर थाना को आधुनिक भवन मिला, सुविधाएं मिलीं, सम्मान मिला। तो सवाल उठता है–क्या स्मृति नगर के नागरिक दूसरे दर्जे के हैं? क्या यहां की सुरक्षा कम जरूरी है?

कहां हैं वरिष्ठ अधिकारी?

क्या कोई पुलिस अधीक्षक, कोई वरिष्ठ

1995 में बना था पुलिस सहायता केन्द्र

सन 1995 में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक आरसी पटेल ने बढ़ी गैंग की दहशत को विराम देने के लिए नई बस्ती कालोनी को ध्यान में रखते हुए स्मृति नगर में पुलिस सहायता केन्द्र स्थापित किया था। पुलिस सहायता केन्द्र कालांतर में स्मृति नगर पुलिस चौकी के रूप में काम करने लगा, लेकिन शासकीय तौर पर कागजों में पुलिस चौकी भी नहीं बनी थी। पूर्व विधायक विद्यारतन भसीन के पत्राचार के बाद 2023 में बजट में से पुलिस थाना का दर्जा दिया गया।

जंगल से भटककर मादा हिरन पहुचा शहर, दाऊचौरा वार्ड में मिला मृत

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जंगल से भटककर कैसे शहर पहुचा मादा हिरण मृत अवस्था में पाया गया। शहर के वार्ड क्रमांक 17 दाऊचौरा सारथी पारा आमनेर नदी मुक्तिधाम के पास सोमवार शाम लगभग 5 बजे एक मादा हिरन मृत अवस्था में पाए जाने से इलाके में हड़कंप मच गया।

प्रत्यक्ष दर्शियों की जानकारी के अनुसार हिरन जंगल से भटककर शहर की आबादी में आ पहुंचा था और आमनेर नदी में पानी पी रहा था। ऐसी आशंका जताई जा रही है,कि आवारा कुत्तों के हमले के कारण हिरन की मौत हुई है।

स्थानीय लोगों द्वारा शाम के समय हिरन को मृत अवस्था में देखे जाने के बाद तत्काल खैरागढ़ वन मंडल को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचे और मृत

हिरन को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। घटना के बाद मृत हिरण को देखने क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। वन विभाग द्वारा मृत हिरन का सुबह पोस्टमार्टम कराए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। मृत हिरण का वन विभाग व्दारा मंगलवार को सुबह पोस्टमार्टम किया जाएगा। जिससे मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। शहर में इस तरह वन्यजीव के पहुंचने की घटना से लोगों में चिंता का माहौल है।

जीवन जीने की कला सिखाती हैं रामचरित मानस -विधायक चंद्राकर

जंजगिरी ,बोरीगारका, उमरपोटी मालूद ,बोरई ,खुरसुल में आयोजित मानसगान प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए दुर्ग ग्रामीण विधायक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत जंजगिरी बोरीगारका उमरपोटी मालूद बोरई खुरसुल में आयोजित दो दिवसीय भव्य रामायण सम्मेलन में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर भगवान प्रभु श्रीरामचंद्र जी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रदेश वासियों की खुशहाली की कामना किया इस पावन अवसर

पर सभी ग्रामीण जनों को इस अद्भुत धार्मिक आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामवासी , श्रद्धालु और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनके उत्साह और सहयोग से यह आयोजन अत्यंत सफल रहा। रामायण के मंत्रमुग्ध कर देने वाले पाठ एवं रामधुन की मधुर ध्वनि ने समूचे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा हमने बचपन से हमने घरों में रामचरित मानस का पाठ पढ़ा और सुना होगा। सनातन धर्म का ये महाग्रंथ हमें जीवन जीने का मार्ग दिखता है और जीवन जीने की कला सिखाता है। कई विद्वान और कथा वाचकों का कहना है कि रामचरित मानस का पाठ करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा भी रामचरित मानस का पाठ करने के कई फायदे होते हैं। इस महा ग्रंथ

की पांच चौपाइयों का रोजाना पाठ करने या श्रद्धापूर्वक जाप करने जीवन में कभी दरिद्रता नहीं आती। यानी ये चौपाइयां घर परिवार में खुशहाली लाने के लिए मंत्र का काम करती हैं। रामचरितमानस एक धार्मिक ग्रंथ है और यदि आप इसे नियमित रूप से पढ़ेंगे और सच्चे मन से पूजा करेंगे, तो आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी। इसमें लिखे हर दोहे और चौपाई का एक अलग महत्व और अर्थ होता है।..

इस अवसर पर प्रमुख रूप सरपंच संघ अध्यक्ष ओमेश्वर राजू यादव सरपंच चुम्मन लाल उपसरपंच विकास साहू राजेश साहू ,योग नारायण गजपाल, इंद्रमन प्रेमचंद,साहू दुलर्वा साहू राजकुमार मनोहर कन्हैया साहू , दीपक कौशिक, कामता कौशिक, वीणा साहू ओम बाई दामिनी साहू सरपंच विजेन्द्र साहू उपसरपंच सत्य प्रकाश कौशिक नरेश यादव चिंताराम साहू उमाशंकर साहू डॉ अनिल साहू

पूर्व सरपंच टिकेंद्र ठाकुर पूर्व सरपंच केवल सिंग गायकवाड़ करण मार्कण्डेय मंजूलता सोनवानी तोरण सेन तरुण साहू दिव्या यादव रीना मानिकपुरी लोकनाथ साहू ,बली टंडन भावेंद्र सिन्हा जी खेमनदास मानिकपुरी बद्री यादव नरेश यादव चिंता राम साहू , नोहर साहू रविकांत साहू प्रेमदास मानिकपुरी कुलेश्वरी साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

खास खबर

डॉ. मनिंदर सिंह धुन्ना को ललित कला में डॉक्टरेट की मिली उपाधि

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

डॉ. मनिंदर सिंह धुन्ना को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित की कुलपति प्रो (डॉ) लवली शर्मा ने। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के 17वें दीक्षांत समारोह में ललित कला में डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया, डॉ मनिंदर सिंह धुन्ना को, इन्होंने मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर इंडिया से जूनियर फेलोशिप प्राप्त की है और यूजीसी नेट - जी आर एफ भी क्वालिफाइड रहे है। एक प्रतिष्ठित सुरियलिस्ट चित्रकार के रूप में पहचान बना रहे डॉ. धुन्ना ने अनेक प्रसिद्ध कलाकारों के साथ कार्य किया है।

वे पद्मश्री से सम्मानित स्वर्गीय राम वी. सुतार द्वारा और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के द्वारा सम्मानित किए जा चुका हैं तथा रजा फाउंडेशन से भी जुड़े हुए हैं। उनकी कृतियाँ देश-विदेश की कई कला प्रदर्शनियों में विशेष आकर्षण का केंद्र रही हैं। डॉ. मनिंदर सिंह धुन्ना खैरागढ़ राज परिवार के दामाद हैं और वर्तमान में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के ग्राफिक्स विभाग में कला शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों एवं कला प्रेमियों को निरंतर प्रेरित कर रहे हैं।

रोजगार की गारंटी को समाप्त करने वाला बजट – कुसुम दुबे

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की सचिव अधिवक्ता कुसुम रूपेश दुबे ने केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कही की बजट एक रोड मेप है योजनाओं विकास की सोच का लेकिन बजट राशि खर्च कर सकने में असफल भाजपा की केंद्र सरकार जो विकास नहीं रोजगार मूलक मनरेगा को समाप्त करने की जो साजिश की है इसका खुलासा इस बजट में हुआ है मांग आधारित रोजगार गारंटी मनरेगा को समाप्त कर बजट आधारित वीबी जी रामजी योजना की डफली भाजपा बजा रही है और इस बजट में 151282 करोड़ का प्रावधान रखा गया है जिसमें देश के मात्र चार करोड लोगों को ही 125 दिन की रोजगार मिल पाएगी इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में जहां 81.1 लाख पंजीकृत रजिस्टर्ड जॉब कार्ड है 61.7 लाख सक्रिय वर्कर है वर्तमान बजट के आधार पर छग में मात्र 6 से 8 लाख लोगों को ही 125 दिन का रोजगार मिल पाएगा कुल मिला कर रोजगार पर प्रहार करने वाला बजट है।

सेक्टर-1 बॉक्सिंग क्लब के बॉक्सर अभिराज साव का राष्ट्रीय शालेय प्रतियोगिता में चयन

भिलाई। सेक्टर-1 बॉक्सिंग क्लब के कोच एवं नेशनल रेफरी व जज कुलदीप सोनकर ने बड़े हर्ष के साथ यह जानकारी दी कि राष्ट्रीय शालेय मुक्केबाजी प्रतियोगिता का आयोजन कर्नाटक बैंगुलुरु में दिनांक 05 फरवरी 2026 से 09 फरवरी 2026 तक किया जा रहा हैं इस प्रतियोगिता में सेक्टर-1 बॉक्सिंग क्लब का खिलाड़ी अभिराज साव, आत्मज उदय साव जो कि सेंट जॉन हायर सेकेंडरी स्कूल, राम नगर, भिलाई में अध्ययनरत हैं का चयन 46 किलो एबीई ग्रुप-19 बालक वर्ग में हुआ हैं।

अभिराज साव का राष्ट्रीय स्तर पर चयन होने पर दुर्ग के सांसद एवं छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष विजय बघेल, छत्तीसगढ़ बॉक्सिंग एसो के अध्यक्ष आर. राजेंद्रन, सेक्टर-1 बॉक्सिंग क्लब के कोच एवं राष्ट्रीय रेफरी व जज कुलदीप सोनकर एवं समस्त पदाधिकारियों ने अभिराज साव को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

एक मुट्ठी दान श्रीराम के नामअभियान पर भी विस्तृत विचार किए साझा

पर्वत , नदियों , वृक्षों और पक्षियों की पूजा हमारी संस्कृति में पर्यावरण के प्रति सम्मान का संदेश देती है-पाण्डेय

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

श्रीराम जन्मोत्सव समिति की महत्वपूर्ण बैठक सेक्टर-9 में आयोजित हुई, जिसमें आगामी 26 मार्च को होने वाले भव्य श्रीरामनवमी उत्सव एवं शोभायात्रा की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में समिति के संरक्षक एवं प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने समिति द्वारा वर्षों से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला और एक मुट्ठी दान श्रीराम के नामअभियान पर भी विस्तृत विचार साझा किए।

अपने संबोधन में श्री पाण्डेय ने कहा कि पिछले चार दशकों से समिति द्वारा निरंतर आयोजित यह पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आस्था का प्रतीक है। उन्होंने भारतीय परंपराओं में प्रकृति पूजन की विशेषता बताते हुए कहा कि पर्वत, नदियों, वृक्षों और पक्षियों की पूजा हमारी संस्कृति में पर्यावरण के प्रति सम्मान का संदेश देती है। श्रीरामनवमी का पर्व धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है।

बैठक में समिति के युवा विंग अध्यक्ष

एवं भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री मनीष पाण्डेय ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा और आदर्शों की मिसाल है। इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भक्ति संध्या से सुसज्जित होगा। उन्होंने बताया कि शहर के प्रमुख मार्गों से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी और झूएक मुट्ठी दान झ श्रीराम के नामझ अभियान के माध्यम से अन्न संग्रह कर महाप्रसाद तैयार किया जाएगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया कि इस वर्ष का आयोजन ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप में किया जाएगा। शोभायात्रा के दौरान पुष्पवर्षा, झांकियों, रामायण पाठ, भजन संध्या और धार्मिक प्रवचन का आयोजन होगा। इसके साथ ही श्रीराम चौक दशहरा मैदान में ध्वजवाहकों का सम्मान भी किया जाएगा।

समिति के प्रांतीय महामंत्री श्री बुद्धन ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष की शोभायात्रा में 1101 मठ-मंदिरों की लघु शोभायात्राएं शामिल होंगी, जिनमें बाबा भोलेनाथ, भगवान चतुर्भुजी, माँ बम्लेश्वरी और माँ दंतेश्वरी की शोभायात्राएं प्रमुख होंगी। ये शोभायात्राएं विभिन्न क्षेत्रों से प्रारंभ होकर शाम 07 बजे से पावर हाउस अंबेडकर चौक पर मिलेंगी और आगे श्रीरामलीला मैदान तक पहुँचेंगी, जहाँ विशेष धर्मसभा एवं झांकी प्रदर्शन होगा। इस आयोजन में पारंपरिक अखाड़े, पंथी नृत्य, राउत नाचा और भव्य झांकियां विशेष आकर्षण होंगे। पूरा मार्ग सजावट से सुसज्जित रहेगा और श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शोभायात्रा का स्वागत करेंगे।

बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष रमेश माने, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय, जिलाध्यक्ष मदन सेन, महिला शाखा अध्यक्ष शीला बाघमार, महामंत्री बसंत प्रधान, अरविंद वर्मा, जोगिंदर शर्मा, मेघा कौर, गितांजलि कौशिक, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, पूर्व सभापति श्यामसुंदर राव, विनोद सिंह, धर्मेंद्र, भोला साहू, ईश्वरी नेताम, केके तिवारी, विष्णु पाठक, रविन्द्र भगत, लालचंद मौर्य, प्रखण्ड अध्यक्ष तिलकराज यादव, रिंकू साहू, मेवालाल यादव, गिरगेश पाण्डेय, शिव बघेल, राजकुमार साव, रामअवतार जंघेल, गुलाब सिंह, बसंता खरे सहित सभी शाखाओं के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्नेहा सोशल वेलफेयर फाउंडेशन ने किया भिलाई-3 में स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

रविवार को स्नेहा सोशल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह शिविर एएम हॉस्पिटल, भिलाई-चारोदा एवं बालाजी ब्लड सेंटर, भिलाई के सहयोग से संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिविर में आमजन के लिए सामान्य स्वास्थ्य जाँच की सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं, जिनमें रक्तचाप (बीपी), शुगर जाँच, नेत्र परीक्षण, अनुभवी चिकित्सकों द्वारा परामर्श तथा सुरक्षित रक्तदान की व्यवस्था शामिल रही। बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया और कई

रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। इस अवसर पर शिविर में सेवाएँ देने वाले चिकित्सकों एवं सक्रिय सहभागियों का सम्मान किया गया। वहीं रक्तदाताओं को संस्था की ओर से हेलमेट एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। स्नेहा सोशल वेलफेयर फाउंडेशन की संस्थापक स्नेहा गिरी ने उपस्थित लोगों को रक्तदान के महत्व पर जागरूक करते हुए कहा कि रक्तदान न केवल किसी की जान बचा सकता है, बल्कि यह इंसानियत का सबसे बड़ा कर्तव्य भी है। उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान करने और स्वस्थ भविष्य के निर्माण हेतु आगे आने की अपील की।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना अंतर्गत मत्स्य विक्रेताओं को मिला मोटरसाइकिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के अंतर्गत मत्स्य विक्रेता को मोटर सायकल सह आइस बॉक्स प्रदाय किया गया है। जिला प्रशासन कोंडागांव द्वारा स्थानीय बंधा तालाब गार्डन में 31 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक दो दिवसीय किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मत्स्यपालन विभाग द्वारा प्रदर्शनी के रूप में बतख सह मछली पालन तथा उद्यानिकी सह मछली पालन का मॉडल तैयार कर विभागीय योजनाओं का स्टॉल लगाया गया।

इस कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम और कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। किसान मेला संगोष्ठी के दौरान मत्स्यपालन विभाग द्वारा शासन की धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के अंतर्गत फुटकर मत्स्य विक्रेताओं को मोटरसाइकिल सह आइस बॉक्स प्रदान किए गए।

इस योजना के अंतर्गत संपत मरकाम - विकासखंड बड़े राजपुर, भूपेंद्र नाग विकासखंड केशकाल और रामसाय कश्यप - ग्राम कमेला, विकासखंड कोण्डागांव को लाभान्वित किया गया। मत्स्यपालन विभाग की ओर से विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में हितग्राहियों को सामग्री वितरित कर योजना की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को मत्स्यपालन से संबंधित विभिन्न विभागीय योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया।

यह योजना मत्स्य विक्रेताओं को सुदृढ़ आजीविका प्रदान करने एवं मत्स्य उत्पादों के सुरक्षित परिवहन एवं विक्रय में सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य नंदलाल राठौर, मनोज जैन, जितेन्द्र सुराना, जैनेन्द्र ठाकुर, नागेश देवांगन, सुश्री सोनामणि पोयाम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम बिजली विभाग ने मनाया प्रदेश की प्रगति का उत्सव

2047 के विकसित भारत के निर्माण में बिजली की बदौलत छग का होगा सबसे बड़ा योगदान: विधायक ललित चन्द्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण, ललित चन्द्राकर ने प्रदेश की ऊर्जा शक्ति को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत संचारण-संधारण संभाग दुर्ग द्वारा सीएसआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित भव्य समारोह में उन्होंने विभाग की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित किया।

मुख्य अतिथि की आसंदी से जनसमुदाय को संबोधित करते हुए श्री चन्द्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ बिजली के मामले में सरप्लस राज्य है, जो हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश का सबसे बड़ा निवेश छत्तीसगढ़ में आएगा क्योंकि यहाँ पर्याप्त बिजली उपलब्ध है। जब भारत 2047 में विकसित राष्ट्र बनेगा, तब उसमें छत्तीसगढ़ की बिजली का योगदान सर्वोपरि होगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील

किया कि वे अब ग्रीन एनर्जी की ओर कदम बढ़ाएं ताकि विकास के साथ पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू ने की। इस अवसर पर विभाग के प्रति समर्पित सेवा देने वाले रिटायर्ड अधिकारियों एवं कमर्चारियों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही, समय पर बिजली बिल भुगतान और ऊर्जा संरक्षण करने वाले आदर्श घरेलू, कृषि और बीपीएल श्रेणी के उपभोक्ताओं तथा सर्वप्रथम सौर ऊर्जा अपनाने वाले उपभोक्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

समारोह स्थल पर बिजली विभाग द्वारा विशेष स्टाल और प्रोजेक्टर के माध्यम से पीएम सूर्य घर योजना एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उपभोक्ताओं को बिजली की बचत और सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सुश्री प्रिया साहू, श्रीमती आशा विक्की मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष उतई श्रीमती शीतला ठाकुर एवं विभिन्न सरपंचगण उपस्थित थे। विभागीय अधिकारियों में अधीक्षण अभियंता दुर्ग वृत्त आरके मिश्रा, कार्यपालन अभियंता संचारण-संधारण संभाग दुर्ग छगन शर्मा, सहायक अभियंता अविनाश दुबे एवं श्रीकांत बड़गैया सहित बड़ी संख्या में सहायक व कनिष्ठ अभियंता और कमर्चारी सक्रिय सहभागिता निभाई।

खास खबर

मोबाइल वेटनरी यूनिट से दूरस्थ गांवों में नि:शुल्क पशु उपचार की सुविधा

नई दृष्टिबिंदु / दंतेवाड़ा

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार जिले के चारों विकास खंडों में मोबाइल वेटनरी यूनिट (एमवीयू) का संचालन किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ एवं दुर्गम ग्रामों में पहुंचकर पशुओं का निशुल्क उपचार, दवाइयों का वितरण, बधियाकरण, टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा उपलब्ध कराना है। मोबाइल वेटनरी यूनिट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन प्रात 8 बजे से सायं 4 बजे तक तीन ग्रामों का भ्रमण कर बीमार पशुओं का उपचार, दवा वितरण, बधियाकरण, टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान का कार्य कर रही है। साथ ही विभागीय योजनाओं की जानकारी, मौसमी टीकाकरण का प्रचार-प्रसार, पशुपालकों की संगोष्ठी एवं पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन भी किया जा रहा है।

इस मोबाइल यूनिट में पशु चिकित्सक, पैरावेट स्टाफ, आवश्यक दवाइयाँ एवं आधुनिक उपकरण उपलब्ध रहते हैं, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में पशुपालकों को बड़ी राहत मिल रही है। यह सेवा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो रही है। राज्य शासन द्वारा पशुपालकों की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर 1962 जारी किया गया है, जिसके माध्यम से सड़क अथवा घर पर बीमार पशुओं का नि:शुल्क उपचार कराया जा सकता है। घर-घर पहुंच सेवा के माध्यम से पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार होने से दुग्ध, मांस एवं अंडा उत्पादन में वृद्धि हो रही है, जिससे पशुपालकों की आय में बढ़ोतरी हो रही है।

शिक्षा विभाग ने बोर्ड स्टूडेंट्स के लिए हेल्पलाइन सेवा शुरू की

रायपुर। बोर्ड परीक्षाओं के सुचारु आयोजन और विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व ही हेल्पलाइन सेवा शुरू कर दी गई है। यह हेल्पलाइन हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी एवं हायर सेकेंडरी व्यावसायिक परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए संचालित की जा रही है। हेल्पलाइन सेंटर से विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक सभी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संपर्क कर सकते हैं।

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 1800-233-4363 पर सुबह 10:30 बजे से शाम 5 बजे तक फोन कर सहायता ली जा सकती है। हेल्पलाइन में प्रतिदिन मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक अभिप्रेरक तथा मण्डल के अधिकारी उपस्थित रहेंगे, जो परीक्षा से जुड़े तनाव, मार्गदर्शन और अन्य शैक्षणिक समस्याओं का समाधान करेंगे। खास बात यह है कि यह सेवा रविवार के दिनों में भी कार्यालयीन समय में उपलब्ध रहेगी। माशिमं ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि परीक्षा से संबंधित किसी भी समस्या या तनाव की स्थिति में हेल्पलाइन का लाभ उठाएं, ताकि परीक्षाएं तनावमुक्त माहौल में संपन्न हो सकें।

महिला सेना पुलिस भर्ती रैली 23 को

मोहला। सेना भर्ती कार्यालय, जबलपुर (मध्य प्रदेश) द्वारा भारतीय सेना में महिला सेना पुलिस पद हेतु भर्ती रैली का आयोजन 23 फरवरी 2026 को किया जाएगा। यह भर्ती रैली पुलिस ग्राउंड झिन्झारी, कटनी (म. प्र.) में संपन्न होगी। इस भर्ती प्रक्रिया में सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) के अंतर्गत आने वाले सभी 33 जिलों की वे महिला अभ्यर्थी भाग लेंगी, जिन्होंने कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) में सफलता प्राप्त की है। गौरतलब है कि भारतीय सेना द्वारा 30 जून 2025 से 10 जुलाई 2025 के बीच ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) का आयोजन किया गया था।

राजिम कुंभ कल्प मेला का शुभारंभ, राजिम छत्तीसगढ़ की आस्था का प्रतीक - राज्यपाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

त्रिवेणी संगम राजिम के पावन तट पर राजिम में आयोजित राजिम कुंभ कल्प मेला के शुभारंभ अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राज्यपाल श्री डेका, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल सहित अतिथियों एवं संत-महात्माओं ने भगवान श्री राजीवलोचन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि राजिम की यह पावन भूमि, जहां महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों का संगम होता है, अत्यंत पुण्य और ऐतिहासिक महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र स्थल पर आयोजित मेला, जिसे श्रद्धालु कल्प कुंभ के नाम से जानते हैं, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहर का प्रतीक है।

राज्यपाल ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प के अवसर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता और गौरव का अनुभव हो रहा है। मुझे छत्तीसगढ़ की पवित्र नगरी राजिम के कुंभ मेला में आकर अत्यंत शांति महसूस होती है। धर्म, आस्था और संस्कृति के इस संगम राजिम कुंभ मेले में देश के विभिन्न प्रांतों से आए साधु-संतों, श्रद्धालुजनों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूं। मैं कुलेश्वर महादेव तथा राजीव लोचन भगवान, राजिम भक्ति माता से प्रार्थना करता हूं कि हमारे देश और प्रदेश पर अपना आशीर्वाद बनाये रखें जिससे यहां हमेशा सुख-शांति और खुशहाली कायम रहे।

राज्यपाल ने आगे कहा कि राजिम माघी पुन्नी मेला छत्तीसगढ़ की आस्था का प्रतीक है। यह एक ऐसा पावन आयोजन है जिसमें छत्तीसगढ़ के लोगों के साथ-साथ देश भर के विभिन्न भागों से भी श्रद्धालुओं का आगमन होता है। राजिम प्राचीन समय से ही शैव और वैष्णव धर्म के केंद्र के रूप में विख्यात एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहां राजीवलोचन मंदिर में भगवान विष्णु चतुर्भुज स्वरूप में विराजमान है। यहां भगवान शिव कुलेश्वर महादेव के रूप में विराजमान हैं।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि कुलेश्वरनाथ महादेव, पटेश्वर नाथमहादेव, चंपेश्वर नाथ महादेव, ब्रम्हकेश्वर नाथ, फनीकेश्वर नाथ महादेव, कर्पूरेश्वर महादेव की पंचकोशी यात्रा विश्व प्रसिद्ध है। प्राचीन मंदिरों की बहुलता राजिम को पुरातात्विक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता प्रदान करती हैं। इन मंदिरों में मूर्ति कला के गौरवशाली इतिहास के दर्शन होते हैं। उन्होंने कहा किशास्त्रों में माघ के माह पुण्य माह माना गया है। माघ माह के इस पावन अवधि में सदियों से ही पवित्र नदियों एवं त्रिवेणी संगमों में पुण्य स्नान की परंपरा रही है। इस माह छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों में मेले का आयोजन की प्राचीन परंपरा रही है। मेलों का विशेष सामाजिक और सामुदायिक महत्व है। इनमें विभिन्न संस्कृतियों का मिलन होता है। इनके माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से परिचित होने का अवसर मिलता है।

श्री डेका ने कहा कि भारत साधु संतों की भूमि रही है। कहा जाता है जब किसी स्थान पर साधु संतों के चरण पड़ते हैं तो वह स्थान पवित्र हो जाता है। संतों के दिखाये मार्ग पर चलने से ज्ञान की प्राप्ति होती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है। जहां संतों का सम्मान होता है वहां समृद्धि, शांति और खुशहाली रहती है। उनका जीवन सदैव परोपकार के लिए समर्पित रहता है। संतो के समागम से हम एक बेहतर मनुष्य बनते है।

राजिम कुंभ मेला जैसे अद्भुत आयोजनों से पर्यटकों को भी विशेष आनंद आता हैं। मेले में कलाकारों का संगम, श्रद्धालुओं की अनगिनत आस्था और संतो के आशीर्वाद से राजिम मेले ने देश में अपनी विशेष पहचान बनाई है। आधुनिक युग में हमे अपनी कला, साहित्य और संस्कृति को आरक्षित और उन्नत करने की आवश्यकता है। हमें इस प्रकार के कला, संस्कृति और धार्मिक आयोजनों के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता है, जिससे छत्तीसगढ़ पर्यटन मानचित्र में और उभर कर सामने आ सके।

यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक चेतना को जागृत करेगा, बल्कि पर्यटन, लोक संस्कृति और को भी नई दिशा देगा। हमारे पूर्वजों ने नदियों, सरोवरों और वृक्षों की महत्ता और उनके संरक्षण पर विशेष बल दिया। आज आवश्यकता है कि हम अपने पूर्वजों द्वारा दिखाए राह पर चलें और अपने प्राकृतिक वातावरण को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाए रखें, नए पौधों का रोपण करें और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। माइक्रो प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक बनें तथा इसकी रोकथाम के उपाय करें।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प पर्व हमारी सांस्कृतिक उत्सव परंपरा और लोक संस्कृति का जीवंत उत्सव है, जो समाज के मूल्यों को और अधिक प्रगाढ़ बनाता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराएं आज विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। आयुक्त श्री कावरे ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर राज्य गृह भंडार निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि, गरियाबंद कलेक्टर भगवान सिंह उईके, सहित देशभर से आए हुए साधु-संत, एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संस्कार और संस्कृति के संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहीं जनपद अध्यक्ष -कीर्ति

नई दृष्टिबिंदु / पाटन

जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक निरंतर अपनी सक्रिय जनसंपर्क भूमिका के माध्यम से क्षेत्र में सकारात्मक उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। वे सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जनसरोकारों से सीधे जुड़ रही हैं।

इसी क्रम में श्रीमती कीर्ति नायक जामगांव में देवांगन समाज द्वारा आयोजित माँ परमेश्वरी जयंती समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने देवांगन समाज के लोगों को शुभकामनाएँ देते हुए माँ परमेश्वरी के आदर्शों, सामाजिक एकता एवं संस्कारों पर अपने विचार साझा किए। तत्पश्चात वे गाड़ाडीह में आयोजित तीन दिवसीय संस्कार मानस गान प्रतियोगिता एवं मड़ई मिलन समारोह में सम्मिलित हुईं, जहाँ उन्होंने मड़ई पर्व की बधाई देते हुए भगवान श्रीरामचंद्र जी के जीवन से जुड़े आदर्शों, मर्यादा एवं सामाजिक समरसता पर प्रकाश डाला।

इसके पश्चात श्रीमती कीर्ति नायक शासकीय हाई स्कूल तर्रा में आयोजित वार्षिक उत्सव समारोह में पहुँचीं, जहाँ उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य, कड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इसके साथ ही वे ग्राम सिपकोना में आयोजित दो दिवसीय संस्कार मानस गान प्रतियोगिता में भी शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामवासियों एवं आयोजन समिति का आमंत्रण एवं सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त करते हुए धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों के महत्व को रेखांकित किया। श्रीमती कीर्ति नायक की यह सक्रियता क्षेत्र में सामाजिक सहभागिता, सांस्कृतिक संरक्षण एवं जनसंवाद को सशक्त करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल मानी जा रही है।

पुलिस की नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई तीन अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना चकरभाठा और ACCU की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर तीन अंतरराज्यीय नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 34 ग्राम हेरोइन बरामद की। बताया जा रहा है कि हेरोइन की सप्लाई पंजाब से की जा रही थी। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चकरभाठा क्षेत्र के हिर्री माईस और तिलक नगर के पास कुछ संदिग्ध व्यक्ति मादक पदार्थ बेचने के लिए घूम रहे हैं। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दबिश दी और तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहित हिंदूजा (32 वर्ष, चकरभाठा), करन दीप सिंह (29 वर्ष, चकरभाठा) और आर. रजिंदर कुमार (35 वर्ष, तरनतारन, पंजाब) के रूप में हुई। पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि करन दीप सिंह पंजाब से हेरोइन लाकर मोहित हिंदूजा को सप्लाई करता था। इसके बादये तीनों मिलकर आर. रजिंदर के साथ मिलकर इसे ऊंचे दामों पर नशेड़ियों को बेचते थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया। बिलासपुर पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में नशे के अवैध कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए सघन अभियान लगातार जारी रहेगा। पिछले तीन दिनों में जिलेभर में सात मामले दर्ज किए गए। इस दौरान पुलिस ने 1300 नशीली टैबलेट, 400 एमएल एविल इंजेक्शन और 2 किलो गांजा जब्त किया। ये कार्रवाई जिले में नशे के खिलाफ पुलिस की सतकर्ता और सख्ती को दर्शाती है।

पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि नशे के अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। जिले में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए पुलिस सतत निगरानी, कार्रवाई और जागरूकता अभियान चला रही है। उन्होंने जनता से अपील की कि यदि किसी को नशीले पदार्थों की तस्करी या बिक्री की जानकारी मिले तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस अभियान में थाना चकरभाठा और ACCU टीम की सक्रिय भूमिका को सराहा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी न केवल कानूनी प्रक्रिया के तहत जेल भेजे गए हैं, बल्कि उनके नेटवर्क की जांच जारी है ताकि इस तरह के अपराधों को जड़ से खत्म किया जा सके।

पुलिस ने कहा कि जिले में युवाओं को नशे के प्रभाव से दूर रखने और समाज में स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से सघन अभियान चलाए जाएंगे। इसके तहत नशे की तस्करी करने वालों पर लगातार दबाव बनाया जाएगा। इस कार्रवाई से बिलासपुर में स्पष्ट संदेश गया है कि नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर किसी भी स्थिति में कानूनी ढर्रे से छूट नहीं मिलेगी। जिले की पुलिस लगातार निगरानी, गिरफ्तारी और जब्ती कार्रवाई को बढ़ाए रखेगी ताकि अवैध नशे के कारोबार को रोकने में सफलता मिल सके।

आम बजट मोदी सरकार का निराशावादी - रतन सिंगी

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

केन्द्र सरकार की वित्त मंत्री निमर्ला सीतारमण द्वारा आज संसद में प्रस्तुत किए गए बजट पर रतन सिंगी पूर्व एल्डरमैन नगर पालिका परिषद खैरागढ़ ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केन्द्रीय बजट वास्तविक समस्याओं से मुंह फेरन वाली बजट है।

राष्ट्रीय व्यापार आयोग गठन न कर व्यापारियों की समस्याओं को बरकरार रखा है। गरीब, किसानों और युवाओं के लिए कुछ नहीं, पेट्रोलियम पदार्थ महंगा, खनिज महंगा, एक्साईज ड्यूटी बढ़ा रही है। मोदी सरकार देश की आम जनता को राहत देने के लिए कोई प्रावधान नहीं है, आवश्यक वस्तुओं पर कोई राहत नहीं, कोई बड़ी घोषणा नहीं, बीजेपी मात्र प्रचार करने वाली बजट लायी है, धरातल पर कुछ नहीं। छोटे व्यापारी इंकम टैक्स नहीं पटाने पर जुर्माना, युवाओं को नौकरी व रोजगार पर कोई बात ही नही, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता पर बजट पूरी तरह मौन है। युवाओं के लिए रोजगार के नाम पर सिर्फ आंकड़ों पर घोषणाओं की पुनरावृत्ति की गई है। यह बजट आम आदमी का नहीं बल्कि कारपोरेटर का बजट है। इससे साफ हो गया कि केन्द्र सरकार गरीब, किसान, युवा और मजदूर को छल है कांग्रेस इस जनविरोधी बजट का विरोध करती है और जनता के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी।

आईसीएआर के महानिदेशक ने आईजीकेवी उत्पाद विक्रय काउंटर का किया अवलोकन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट ने यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के उत्पाद विक्रय काउंटर का दौरा कर विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न कृषि उत्पादों, तकनीकों एवं मूल्य संवर्धित वस्तुओं का अवलोकन किया। डॉ. जाट ने कृषि विश्वविद्यालय की इस अभिनव पहल की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने वैज्ञानिकों, कृषि उद्यमियों तथा आईजीकेवी से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) एवं एफपीओ प्रतिनिधियों से संवाद किया। इस विक्रय केंद्र में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषक उत्पाद संगठनों तथा महिला स्व सहायता समूहों द्वारा उत्पादित कृषि उत्पादों का विक्रय किया जा रहा है।

भ्रमण के दौरान डॉ. जाट के साथ प्रमुख रूप से डॉ. डी. के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), आईसीएआर; डॉ. राजवीर सिंह, उप महानिदेशक (विस्तार), आईसीएआर; डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति, आईजीकेवी; डॉ. पी. के. रॉय, निदेशक, एनआईबीएसएम, रायपुर; डॉ. एस. आर. के. सिंह, निदेशक, अटारी जोन-क जबलपुर तथा डॉ. एस. एस. टुटेजा, निदेशक, विस्तार सेवाएं, आईजीकेवी, रायपुर उपस्थित थे।

महानिदेशक ने आईजीकेवी की अनुसंधान, विस्तार एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण गतिविधियों की समीक्षा की तथा विभिन्न महाविद्यालयों, केवीके एवं केवीके-समर्थित एफपीओ द्वारा तैयार उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने बाजारोन्मुख कृषि, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग और व्यावसायीकरण पर विशेष बल देते हुए कहा कि ऐसे प्रयास किसानों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह भ्रमण नवाचार-आधारित एवं किसान-केंद्रित कृषि विकास के प्रति आईसीएआर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अवलोकन 19 किसान लगातार यहां रेशम का उत्पादन कर रहे हैं

कलेक्टर कन्नौजे ने तोरना कोसा उत्पादन केन्द्र का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़ बिलाईगढ़

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने शनिवार को बरमकेला ब्लॉक के ग्राम तोरना में स्थित कोसा उत्पादन केन्द्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों और रेशम विभाग के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की और उत्पादन प्रक्रिया के सभी चरणों का अवलोकन किया। मैदानी अधिकारी ने कलेक्टर को बताया कि यहाँ 19 किसान लगातार रेशम का उत्पादन कर रहे हैं। कोकून उत्पादन तीन वर्षों तक विभिन्न चरणों में संचालित होता है। निश्चित समय पर कोकून परिपक्व होने पर उसे तोड़ा जाता है और धागाकरण के लिए भेजा जाता है। इस प्रक्रिया से न केवल रेशम का उत्पादन सुनिश्चित होता है, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होती है।

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने निरीक्षण के दौरान किसानों को सुझाव दिया कि कोसा उत्पादन के साथ-साथ कंदमूल की मिश्रित खेती की जाए। उन्होंने मिट्टी की गुणवत्ता और उपजाऊ क्षमता को देखते हुए पौधों के बीच खाली भूमि का अधिकतम उपयोग करने पर जोर दिया। किसानों को जिमीकंद, हल्दी, अदरक, कोचई आदि कंदमूल की खेती करने के लिए मार्गदर्शन दिया। यह उपाय किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कृषि विविधीकरण में भी मदद करेगा। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि रेशम उत्पादन में नई तकनीकों का उपयोग किया जाए और किसानों को उत्पादन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को किसानों की समस्याओं को सुनने और उन्हें समाधान प्रदान करने के लिए लगातार फील्ड में सक्रिय रहने के लिए कहा। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा और जनपद पंचायत सीईओ अजय पटेल भी उपस्थित थे। उन्होंने किसानों के साथ बातचीत की और कोसा उत्पादन में आने वाली चुनौतियों एवं समाधान पर विचार-विमर्श किया।

साथ ही उन्होंने किसानों को कृषि के आधुनिक तरीकों के बारे में जानकारी देने का आश्वासन भी दिया। कलेक्टर ने कहा कि रेशम और कंदमूल की मिश्रित खेती से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कृषि अधिकारियों से कहा कि किसानों को समय-समय पर फील्ड विजिट कर प्रशिक्षण दिया जाए और उन्हें नई तकनीकों व उन्नत बीजों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए। कुल मिलाकर यह निरीक्षण किसानों के लिए एक मार्गदर्शन का अवसर साबित हुआ। कलेक्टर के सुझावों और अधिकारियों के मार्गदर्शन से किसानों को उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और कृषि विविधीकरण को अपनाने में मदद मिलेगी। इस पहल से रेशम उत्पादन और कंदमूल की खेती दोनों को बढ़ावा मिलेगा और बरमकेला ब्लॉक के किसानों की आय में सुधार होगा।

बाहर से महिलाओं को लाकर करा रहा था देह व्यापार, सामान के साथ दो गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के स्पष्ट दिशा-निर्देशन में जिले में अवैध शराब, जुआ-सट्टा और अनैतिक गतिविधियों पर लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में बीती रात नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा के नेतृत्व में एक मकान में देह व्यापार की सूचना पर बड़ी कार्यवाही की गई।

पुलिस को मुखबिर से मिली जानकारी के अनुसार केलो बिहार कॉलोनी स्थित संतोष सोनी के मकान में किरायेदार डिंपी उर्फ राहुल इजारदार बाहर से महिलाओं को लाकर देह व्यापार करा रहा है। सूचना के तत्काल एसएसपी शशि मोहन सिंह को अवगत कराया गया, जिनके मार्गदर्शन पर थाना चक्रधरनगर और साइबर पुलिस थाना की संयुक्त टीम गठित कर रेड की योजना बनाई गई। पुलिस द्वारा पहले एक पाइंटर को ग्राहक बनाकर रुपये देकर मकान भेजा गया। पाइंटर से संकेत मिलते ही मकान की घेराबंदी कर एकाएक छापामार कार्यवाही की गई।

मौके पर मकान के अंदर तीन महिलाएं, पुलिस पाइंटर, आरोपी डिंपी उर्फ राहुल इजारदार तथा एक अन्य व्यक्ति नागेंद्र विश्वकर्मा मिलती कोतरारोड पाए गए। मकान से देह व्यापार में प्रयुक्त कई आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई। पूछताछ में नागेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि डिंपी इजारदार मकान का किरायेदार है, जो महिलाओं को लाकर उनसे वेश्यावृत्ति करवाता है और वह उसी सिलसिले में वहां आया था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी डिंपी इजारदार किराये के मकान में महिलाओं को पैसों का लालच देकर अनैतिक देह व्यापार कर जीवन-निर्वहन कर रहा था, स्वयं इसका संचालन व प्रबंधन करता था तथा दलाली की भूमिका निभा रहा था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन, पाइंटर द्वारा आरोपी को दिया गया रकम एवं आपत्तिजनक सामग्री को गवाहों के समक्ष जप्त किया। गिरफ्तार आरोपी डिंपी उर्फ राहुल इजारदार, पिता जीवनलाल इजारदार, उम्र 40 वर्ष, निवासी संतोष सोनी का मकान, केलो बिहार, थाना चक्रधरनगर, रायगढ़, नागेंद्र विश्वकर्मा, पिता विनोद विश्वकर्मा, उम्र 35 वर्ष, निवासी गणेश चौक, थाना कोतरारोड, रायगढ़ शामिल हैं।

संपादकीय

भ्रष्टाचार तो अब और गंभीर समस्या बन चुका है

आजादी के बाद भ्रष्टाचार कोई गंभीर समस्या नहीं था। लेकिन आजादी के बाद के दशकों में यह गंभीर समस्या होता चला गया है क्योंकि राजनीति में पहले जो लोग सेवा के लिए आते थे अब भ्रष्टाचार कर पैसा कमाने के लिए आने लगे। धीरे धीरे सेवा का भाव तो खत्म हो गया है आज तो ज्यादातर लोग राजनीति में पैसा कमाने के लिए आते हैं, उनको लगता है कि राजनीति में आकर पैसा कमाना बहुत आसान है, हमारी पार्टी की सरकार बन गई तो हम जितना चाहे भ्रष्टाचार कर सकते हैं और जितना चाहे उतना पैसा कमा सकते हैं। पहले तो सौ सरकारी कर्मियों, सौ नेताओं में इक्का दुक्का भ्रष्ट होते थे, उनको अच्छी नजर से देखा नहीं जाता था, उनको समाज में इज्जत नहीं मिलती थी। आज तो सौ में 90 सरकारी कर्मी व नेता भ्रष्ट माने जाते हैं और सिंडीकेट बनाकर भ्रष्टाचार करने के कारण भ्रष्ट लोगों को कोई बुरा नहीं कहता है,वह होशियार माने जाते है और अब तो 10 प्रतिशत ईमानदार लोगों को बेवकूफ समझा जाता है कि उसे मौका मिल रहा है और वह भ्रष्टाचार नहीं कर रहा है।

जहां तक सरकारी सिस्टम व सरकार के स्तर पर होने वाला भ्रष्टाचार है इसे रोक पाना किसी एक ईमानदार सीएम के लिए आसान नहीं है क्योंकि सरकारी सिस्टम हो या सरकार के स्तर पर होने वाले काम हों, अफसर,कमर्चारी से लेकर मंत्री तक पैसा कमाने का कोई न कोई मौका तलाश लेते हैं। भ्रष्टाचार जब बहुत से लोग सामूहिक रूप से करते हैं तो उसे पकड़ना और मुश्किल होता है। क्योंकि जिन पर भ्रष्टाचार रोकने की जिम्मेदारी होती है वही भ्रष्टाचार करते है, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं तो भ्रष्टाचार रुक कैसे सकता है।जब किसी सरकार का मुखिया किसी को इसलिए बनाया जाता है कि वह पार्टी को दो चार हजार करोड़ रुपए राज्य से जुटाकर देगा तो मुखिया अपने घर से तो इतना पैसा नहीं देता है, वह राज्य के पैसा में संगठित रूप से भ्रष्टाचार कर पार्टी को देता है। साथ ही अपने परिवार के लिए पैसा निकालता है तो ऐसे में राज्य मे एक के बाद घोटाले सामने कैसे नहीं आएंगे।

ऐसे मुखिया के रहते तो राज्य में भ्रष्टाचार शिष्टाचार,नवाचार बन जाता है तो उसके बाद आने वाले मुखिया के लिए भ्रष्टाचार को रोकना और मुश्किल हो जाता है। खासकर उस मुखिया के लिए भ्रष्टाचार रोकना मुश्किल हो जाता है जो भ्रष्टाचार नहीं होने देने की बात भी करता है और ऐसे उपाय भी करता है कि भ्रष्टाचार न हो सके। भ्रष्टाचार करने वालों पर कारर्वाई हो। पांच साल में तंत्र को भ्रष्टाचार करने की आदत हो जाती है तो उसे सुधारने में वक्त तो लगता है,भ्रष्टाचार भी शेर के मुंह में खून लग जाने के समान होता है, एक बार आदत हो जाए तो मौका मिलते ही भ्रष्टाचार करने वाले कहां चूकते हैं। नए नए तरीके से भ्रष्टाचार करते हैं। पांच साल में एक मुखिया जितना भ्रष्टाचार को बढ़ा सकता है, दूसरा मुखिया पांच साल में उसे कम नहीं कर सकता क्योंकि बीमारी होती जल्दी है, उसके उपचार में वक्त लगता है।

भ्रष्टाचार में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी पकड़े जाते हैं तो सरकार के सामने यह समस्या तो आती है कि वह कारर्वाई करेगी तो शासन चलाने में दिक्कत होगी। इसी वजह से आजादी के बाद यह व्यवस्था यह व्यवस्था की गई कि सरकारी कमर्चारी या अफसरों पर भ्रष्टाचार का मामला चलाने के लिए सरकार से अनुमति लेनी होगी।इसे लेकर जैसे लोगों में मतभेद हैं उसी तरह का मतभेद जजों में भी सामने आया है। दो जजों की पीठ के सामने यह मामला आया कि अफसरों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच से पहले अनुमति लेना ठीक है या गलत है तो एक जज विश्ननाथन ने कहा है कि धारा 17 ए संवैधानिक रूप से वैध है उनका कहना है कि जब तक ईमानदार को तुच्छ जांच से बचाया नहीं जाता तब तक नीतिगत गतिरोध उत्पन्न हो जाएगा। लोकसेवकों को दुर्भावनापूर्ण मामलों में बचाने की आवश्यकता है। दुरुपयोग की संभावना धारा 17 ए को रद्द करने का आधार नहीं है।

धारा 17 ए के मामले में दूसरी जज नागरत्ना का कहना है कि यह प्रावधान भ्रष्ट लोगों को बचाने का प्रावधान है।यह धारा असंवैधानिक है,इसे निरस्त किया जाना चाहिए।इसके लिए किसी पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है।भ्रष्टाचार के मामले में जांच के लिए पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता अधिनियम के उद्देश्य के विपरीत है,यह जांच को बाधित करती है तथा ईमानदार व सत्यनिष्ठ लोगों की रक्षा करने की जगह भ्रष्ट लोगों को संरक्षण प्रदान करती है जिन्हें वास्तव में किसी संरक्षण की जरूरत नही है। दो जजों की बेंच तो धारा 17 ए के मामले में कोई साफ फैसला नहीं कर सकी है। यानी इसके लिए और बडी बेंच का गठन किया जाएगा। इस देश में भ्रष्टाचार को रोकना है तो उसको कानून का संरक्षण देकर नहीं रोका जा सकता क्योंकि अब तो सरकार पर ही आरोप लग रहे हैं कि उसने पांच साल में पार्टी फंड के लिए, चुनाव के लिए भ्रष्टाचार किया है।

चीन के साथ भारत का रिश्ता नफरत और जरुरत का

हरिशंकर व्यास

नफरत और प्यार का रिश्ता बहुत सुना गया होगा लेकिन चीन के साथ भारत का रिश्ता नफरत और जरुरत का है। चीन से नफरत भी है और उसकी जरुरत भी है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने राहुल गांधी के चीन के राजदूत से मिलने की घटना को आसमान टूट पड ? जैसी घटना माना था। उसके लिए पूरी कांग्रेस पार्टी को देशद्रोही ठहराया गया। कांग्रेस पार्टी और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीपीसी के साथ एक एमओयू साइन हुआ था, जिसे लेकर भाजपा ने बड़ा नैरेटिव खड़ा किया। लेकिन अब खुद भाजपा नेता चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधिमंडल से मिले हैं। भाजपा के विदेश प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विजय चौथाईवाला ने यह मुलाकात तय कराई और पार्टी मुख्यालय में महासचिव अरुण सिंह के साथ दूसरे नेता सीपीसी के प्रतिनिधिमंडल से मिले।

भाजपा के नेता यह कह कर फेस सेविंग कर रहे हैं कि चीन के डेलिगेशन से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा या कायर्कारी अध्यक्ष नितिन नबीन नहीं मिले या पार्टी के दोनों सर्वोच्च नेता नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने मुलाकात नहीं की, जबकि कांग्रेस में खुद राहुल गांधी मिले थे। लेकिन यह बचाव का तर्क नही हो सकता है। जैसे ही भाजपा नेताओं से सीपीसी डिलेगेशन के मिलने की तस्वीरें सामने आईं वैसे ही सन्नाटा खींच गया। सोशल मीडिया में भाजपा का पूरा इकोसिस्टम खामोश हो गया। इस बीच दो चार लोगों ने हिम्मत करके सवाल उठाया और दबी जुबान में कहा कि यह अच्छा नहीं हुआ। भाजपा नेताओं से मुलाकात के बाद सीपीसी का डेलिगेशन आरएसएस कार्यालय में संघ के नंबर दो पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले से मिला। हालांकि उसकी फोटो नहीं जारी की गई। बाद में भारत की तीनों कम्युनिस्ट पार्टियों से सीपीसी के प्रतिनिधिमंडल के मिलने की खबर भी आई।

अब सवाल है कि जिस समय चीन अरुणाचल प्रदेश में जन्मे भारतीय मूल के लोगों को अपने हवाईअड्डों पर रोक कर पासपोर्ट अवैध बता रहा है या अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताने वाले यूट्यूबर्स को रोक कर प्रताड़ित कर रहा है, शक्सगाम घाटी में निर्माण कार्य कर रहा है और उसे चीन का हिस्सा बता रहा है उसके प्रतिनिधिमंडल के साथ भाजपा की दोस्ती दिखाने का क्या मतलब है? सरकारी स्तर पर दोनों देशों के बीच संबंध सुधर गए हैं। मोदी और शाह ने व्यापार की खातिर गलवान घाटी में शहीद हुए 20 जवानों का घाव भुला दिए है। प्रधानमंत्री मोदी की बहुपक्षीय मंचों पर शी जिनपिंग से मुलाकात हुई है तो भारत के रक्षा और विदेश मंत्री दोनों ने चीन का दौरा किया है। लेकिन पार्टी टू पार्टी यानी भाजपा और सीपीसी के नेताओं की मुलाकात या संघ और सीपीसी की मुलाकात का क्या मतलब है?

कहा जा रहा है कि एक दूसरे की कार्यप्रणाली को समझने की कोशिश इस मुलाकात का मकसद थी। जाहिर है कि चीन को भारत से लोकतांत्रिक प्रणाली सीखने में कोई दिलचस्प नहीं होगी तो क्या भारतीय जनता पार्टी यह सीखने की कोशिश कर रही थी कि भारत में भी कैसे चीन की तरह एकदलीय व्यवस्था लागू हो सकती है? चीन की कम्युनिस्ट पार्टी इसके अलावा भाजपा या किसी भी पार्टी को और क्या सीखा सकती है? वहां एकदलीय व्यवस्था है। कम्युनिस्ट पार्टी ही सरकार है और सरकारी ही पार्टी है। दूसरी बात यह है कि कोई भी नेता पार्टी और सरकार के खिलाफ नहीं बोल सकता है। सर्वोच्च नेता शी जिनपिंग हैं और उनकी हर बात का समर्थन करना सिर्फ पार्टी के नेताओं का ही नहीं, बल्कि चीन की जनता का भी पुनीत कर्तव्य है। भारत में भी पार्टी और सरकार को तो एक कर दिया गया है और यहां भी मोदी और शाह के खिलाफ बोलने को देशद्रोह माना जाने लगा है लेकिन एक बाधा विपक्ष की है। विपक्ष अब भी मजबूत है और उसके नेता भाजपा को जवाबदेह बनाने की कोशिश करते रहते हैं। तभी हो सकता है कि सीपीसी से भाजापा ने इस मामले में कुछ टिप्स लिए हों।

इस मुलाकात के कारणों पर विचार करने पर ऐसा लगता है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं से मिलने की मजबूरी भी हो सकती है। असल में भारत लगभग पूरी तरह से चीन पर आश्रित हो गया है। रोजमर्रा की जरुरत की चीजों से लेकर कृषि सेक्टर के उपकरणों, सेमीकंडक्टर सहित ऑटोमोबाइल सेक्टर के दूसरे कंपोनेंट, आईटी सेक्टर के उपकरण, दवाओं के लिए जरूरी कंपोनेंट आदि सब चीन से आता है। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर यानी 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। फिर भी चीन के साथ कारोबार करने की मजबूरी है। यह मजबूरी कैसी है इसे इस एक तथ्य से समझें कि भारत ने चीन के मांझे पर रोक लगाई है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के राज्य गुजरात में मकर संक्रांति पर पतंगोत्सव के दौरान चीनी मांझे से गला कटने की वजह से नौ लोगों की मौत हो गई। सोचें, जिस पर पाबंदी है वह माल भी चीन से आ रहा है और खुलेआम भारत में बिक रहा है। अगर चीनी मांझे से गला कटने से होने वाली मौतों का देश भर का आंकड़े देखें तो गुजरात से वाराणसी तक मरने वालों की संख्या और बड़ी हो जाएगी। बहरहाल, भारत की मजबूरी है कि वह चीन के साथ अच्छे संबंध रखे अन्यथा वह रेयर अर्थ मैटेरियल देना बंद कर देगा तो भारत क्या करेगा? हो सकता है कि मुलाकात इस मजबूरी में हुई हो।

लेकिन इस मजबूरी की मुलाकात को एक दूसरा रुप भी दिया जा सकता है। इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि भारत ने अमेरिका को मैसेज देने के लिए चीन के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात भाजपा और संघ के नेताओं से कराई। ध्यान रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बात पर चिंता जता चुके हैं कि वे रूस और चीन के हाथों भारत को गंवा चुके हैं। इस धारणा को बदलने या ठीक करने के लिए ही भारत में नियुक्त राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिका के लिए भारत से जरूरी कोई नहीं है। लेकिन जिस दिन गोर ने यह बात कही उसी दिन चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से भाजपा नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें आईं।

यह फैक्ट है कि अमेरिका के साथ भारत की व्यापार संधि अटकी है। लेकिन क्या चीन के साथ मेल मुलाकात बढ़ा कर भारत अमेरिका को बाध्य कर पाएगा कि वह भारत की शर्तों पर व्यापार संधि करे? ट्रंप के रुख को देख कर ऐसा नहीं लगता है कि वे इस वजह से दबाव में आएंगे। इसका नुकसान यह है कि चीन और रूस के साथ ज्यादा करीबी दिखाने से अमेरिका के साथ साथ यूरोपीय देशों से भारत के संबंध भी प्रभावित हो सकते हैं। ध्यान रखने की जरुरत है कि चीन ने दक्षिण एशिया में भारत के आसपास के देशों को कर्ज देकर या किसी भी तरीके से अपने खेमे में शामिल कराया है। वह चारों तरफ से भारत को घेर रहा है और आर्थिक रूप से भारत उस पर आश्रित हो ही गया है। ऐसे में इस तरह के कदमों से अमेरिका और यूरोप के साथ संबंध और बिगड़ सकते हैं।

कांग्रेस की समस्या

'बचाओ या 'वापस लाओ जैसे नारे लोगों का ध्यान खींचने के लिहाज से हमेशा अपर्याप्त साबित हुए है। कांग्रेस की समस्या यह है कि हाल-फिलहाल में वह भविष्य का कोई सपना या लोक-लुभावन कार्यक्रम पेश करने में नाकाम रही है।

मजदूर अधिकार के सवाल पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कांग्रेस की सही दिशा में पहल है, बशर्ते यह मुद्दा उसकी क्षणिक चिंता बन कर ना रह जाए। कामकाजी वर्ग की बढ़ती मुश्किलें और उसके घटते अधिकार आज असल मुद्दे हैं, जिनकी मुख्यधारा राजनीति में मजबूत वकालत की जरूरत है। मनरेगा खत्म कर उसकी जगह जी राम जी कानून लागू करने के नरेंद्र मोदी सरकार के फैसले के बाद कांग्रेस ने इस पर ध्यान दिया है। चूंकि मनरेगा को कांग्रेस नेतृत्व अपनी बड़ी उपलब्धि मानता था, इसलिए उस पर हुए प्रहार से वह भी विचलित हुआ। तब पार्टी ने 'मनरेगा बचाओइ आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। अब पार्टी उसे मजदूर अधिकार के बड़े दायरे से जोड़ने का संकेत दे रही है।

इस मसले पर पार्टी समग्र सोच विकसित कर सके और उसके आधार पर संगठन एवं संघर्ष की दीघर्कालिक योजना बनाए, तो उससे कांग्रेस को आज के दौर में एक खास पहचान मिल सकती है। मगर पार्टी नेतृत्व की मुश्किल यह है कि वह संयम के साथ किसी एक मुद्दे पर नहीं टिकता। और जो भी मुद्दा वह उठाता है, उसके पीछे मकसद अपनी पूर्व सरकारों के रिकॉर्ड को मोदी सरकार से बेहतर दिखाने तक सीमित रह जाता है। राफेल से लेकर ए-2 (यानी दो घरानों की मोनोपॉली) पर आक्रामक रुख अपनाने के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी जातीय जनगणना एवं 1990 के दशक के मंडल-कालीन विमर्श में जा सिमटे।

उसी क्रम में 'संविधान बचाओइ का झंडा उन्होंने उठाया। फिर 'वोट चोरीइ उनका पसंदीदा मसला बना। अब मनरेगा की वापसी उनका प्रिय विषय बना है। जबकि समझने की बात यह है कि 'बचाओ या 'वापस लाओ जैसे नारे लोगों का ध्यान खींचने के लिहाज से हमेशा अपर्याप्त साबित हुए हैं। कांग्रेस की समस्या यह है कि हाल के दशकों में वह भविष्य का कोई सपना या लोक-लुभावन कार्यक्रम पेश करने में नाकाम रही है। ऐसे में आम जन को उसका एजेंडा नकारात्मक मालूम पड़ता है। पार्टी के मजदूर अधिकार सम्मेलन को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाएगा। सवाल यह है कि क्या यहां से कांग्रेस कोई सकारात्मक सोच देश के सामने रख पाएगी।

महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में कुछ भी नया नहीं

अजीत द्विवेदी

यह सवाल हो सकता है कि महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में ऐसा क्या है, जिसका राष्ट्रीय राजनीति के नजरिए से विश्लेषण होना चाहिए? आखिर पिछले दिनों पंजाब में स्थानीय निकाय चुनाव हुए तो सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने क्लीन स्वीप किया तो तेलंगाना में भी स्थानीय निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने सफलता का परचम लहराया है। हाल के दिनों में केरल एकमात्र अपवाद है, जहां स्थानीय निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट बुरी तरह से हारा और कांग्रेस ने बड़ी जीत दर्ज की। हालांकि उसके भी कारण स्पष्ट हैं। एलडीएफ की 10 साल की सत्ता के खिलाफ नाराजगी लोकसभा चुनाव में भी प्रकट हुई और स्थानीय निकाय चुनाव में भी प्रकट हुई। इस अपवाद के बावजूद यह एक सामान्य निष्कर्ष है कि स्थानीय निकाय चुनावों में वही जीतता है, जिसकी राज्य में सरकार होती है। शायद ही कभी इसका अपवाद होता है।

इस निष्कर्ष या स्थापित राजनीतिक सिद्धांत के आधार पर देखें तो महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में कुछ भी नया नहीं है। ध्यान रहे इससे पहले आखिरी बार 2017 में महाराष्ट्र में नगर निकायों के चुनाव हुए थे और तब भी मोटे तौर पर नतीजे ऐसे ही आए थे। इसके बावजूद इस बार के चुनावों का कुछ खास संदेश है और उनका विश्लेषण होना चाहिए। इससे पहले मुंबई नगरपालिका यानी बीएमसी और अन्य शहरी निकायों के चुनाव जैसी सामान्य परिस्थितियों में होते थे इस बार वैसा नहीं था। पिछले चुनाव के बाद करीब नौ साल में महाराष्ट्र की राजनीति बहुत बदल गई है।

बीएमसी पर करीब पांच दशक तक कंट्रोल रखने वाला ठाकरे परिवार कमजोर हुआ है। शिव सेना का दो हिस्सों में विभाजन हो गया है। महाराष्ट्र की समकालीन राजनीति के सबसे बड़े नेता शरद पवार की बनाई पार्टी एनसीपी दो हिस्सों में बंट गई है। उनके भतीजे अजित पवार असली एनसीपी के मालिक हैं। इस बार का चुनाव दोनों बड़ी प्रादेशिक पार्टियों के विभाजन के बाद का पहला चुनाव था और भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र की राजनीति की केंद्रीय ताकत बनने के बाद का भी पहला चुनाव था।

इस चुनाव की एक खास बात यह भी थी कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व यानी नरेंद्र मोदी और अमित शाह की छाया से मुक्त होकर पहली बार स्वतंत्र रूप से अपने नेतृत्व के दम पर चुनाव लड़े। याद करें कैसे हैदराबाद नगर निगम के चुनाव में प्रचार करने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गए थे। इस बार मोदी, शाह और योगी या भाजपा का राष्ट्रीय स्तर का कोई भी नेता प्रचार के लिए नहीं गया। अकेले देवेंद्र फडनवीस ने पूरे राज्य में प्रचार किया। वे मुंबई, ठाणे, पुणे की गलियों में घूमे। जहां गाड़ी पहुंचने का साधन नहीं था वहां वे मोटरसाइकिल से गए। सो, इस बार के चुनाव की कामयाबी 'देवा भाऊइ के रूप में देवेंद्र फडनवीस की जगह को और मजबूत करने वाला था। विधानसभा चुनाव की जीत के बाद उनको साबित करना था कि वे महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य और चंद्रगुप्त दोनों हैं। उन्होंने यह साबित किया और निश्चित रूप से इसका असर आने वाले समय में भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ेगा।

पिछले दो साल में शरद पवार और उद्धव ठाकरे के लिए चुनावी मुकाबला एक-एक की बराबरी पर छूटा था। 2024 के मई में लोकसभा चुनाव में भाजपा विरोधी महाविकास अघाड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया था। राज्य की 48 में से 31 सीटों पर अघाड़ी की जीत हुई थी। कांग्रेस ने 13 सीटें जीतीं तो उद्धव ठाकरे की शिव सेना ने नौ और शरद पवार की एनसीपी ने आठ सीटें जीतीं। भाजपा और उसकी दोनों सहयोगी पार्टियां 17 सीटों पर सिमट गईं, जबकि चुनाव से पहले उनके पास 44 सीटें थीं। उन्होंने 27 सीट गंवाई। लेकिन उसी साल हुए विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी साफ हो गया और भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने 288 में से 230 सीटें जीत लीं। अकेले भाजपा को 132 सीटें मिलीं।

एकनाथ शिंदे की पार्टी ने 51 और अजित पवार की पार्टी ने 47 सीटें जीतीं। पूरा महाविकास अघाड़ी 46 सीटों पर सिमट गया। सो, एक-एक की बराबरी के बाद नगरपालिका का चुनाव निर्णायक था। इसमें महायुति ने विधानसभा चुनाव से बेहतर प्रदर्शन किया। 29 में से 25 महानगरपालिकाओं में महायुति के मेयर बनेंगे। इससे पहले ग्रामीण निकायों के चुनाव में भी महायुति ने बहुत बड़ी जीत हासिल की थी।

डस्टबिन से उद्योग तक– अंजना उरांव की आत्मनिर्भरता की उड़ान

एलडी मानिकपुरी

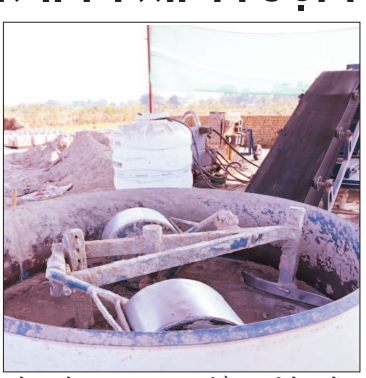

कभी-कभी जीवन की दिशा बदलने के लिए किसी बड़े मंच, बड़े अवसर या बड़े संसाधन की आवश्यकता नहीं होती। कभी-कभी एक डस्टबिन में पड़ा काग़ज का टुकड़ा भी जीवन की करवट बदल देता है। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखण्ड के ग्राम तोलगा की अंजना उरांव की कहानी इसी सच्चाई को सशक्त रूप से सामने रखती है, जो कड़ी मेहनत और लगन से ही स्थायी सफलता हासिल की।

अंजना उरांव कोई उद्योगपति परिवार से नहीं आतीं, न ही उनके पास पूंजी, सिफारिश या विशेष प्रशिक्षण था। वे जनपद पंचायत खड़गवां में एक अंशकालिक डाटा एंट्री ऑपरेटर हैं। स्नातकोत्तर डिग्री होने के बावजूद मात्र चार हजार रुपये मासिक मानदेय पर कार्यरत हैं। जीवन एक तयशुदा सीमित दायरे में चल रहा था, तभी एक दिन कार्यालय के डस्टबिन में उन्हें एक फटा हुआ पन्ना मिला। उस पन्ने पर लिखा था प्रधानमंत्री सृजन स्वरोजगार योजना वह पन्ना कचरा नहीं था, वह संभावना थी। अंजना ने उसे पढ़ा, समझा और उसी क्षण मन में यह निश्चय किया कि वे सिर्फ. नौकरी करने वाली नहीं, बल्कि कुछ सृजित करने वाली बनेंगी।

विरोध, संदेह और संघर्ष का दौर

योजना की जानकारी लेने जब उन्होंने जनपद कार्यालय में चर्चा की तो अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ मिलीं। किसी ने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र जाने की सलाह दी, तो किसी ने यह कहकर हतोत्साहित किया कि बैंक और योजनाओं के चक्कर में पड़ना बेवकूफी है। लेकिन अंजना ने हार नहीं मानी। उन्होंने एक रोचक बात भी बताई कि एक बार मोबाइल व अखबार में जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी का बयान आया था कि महिलाएं किसी से कम नहीं है, अपने हिम्मत से आगे बढ़ सकती हैं। यह वाक्य उनके दिमाग बसा था, इसी जुनून ने आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया।

अंजना ने जब जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से जानकारी लेने के बाद जब पोड़ी-बचरा क्षेत्र में फ्लाईऐश ईंट निर्माण इकाई देखी, तो उनके भीतर एक उद्यमिता जन्म लेने लगा। उन्होंने तय किया कि वे भी फ्लाईऐश ईंट उद्योग स्थापित करेंगी।

इसके बाद शुरू हुआ असली संघर्ष

दस्तावेजों की लंबी सूची, बैंकों के बार-बार चक्कर, ऋण अस्वीकृतियाँ और सामाजिक दबाव। मायके और ससुराल दोनों ओर से एक ही सलाह मिली यह लफड़ा मत पालो। अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें कि आप अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं।

अंजना की जुनून के आगे बढ़ने में पति का रहा साथ

ऐसे समय में उनके पति अनिल कुमार उनके सबसे बड़े संबल बना। दसवीं तक पढ़े अनिल कुमार को उद्योग का अनुभव नहीं था, लेकिन मेहनत, खेती और परिवार की जिम्मेदारी निभाने का जज्बा भरपूर था। उन्होंने अंजना के सपने को अपना सपना बना लिया। अंततः बैकुंठपुर स्थित एचडीएफसी बैंक से 30 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। कटघोरा से मशीनें मंगाई गईं, शेड का निर्माण हुआ, कोरबा से फ्लाईऐश और स्थानीय स्तर से रेत-सीमेंट की व्यवस्था की गई।

सपना बना हकीकत

अगस्त 2025 में इकाई का लोकार्पण हुआ और अक्टूबर 2025 से उत्पादन शुरू हुआ है। आज अंजना उरांव की अंजना इंटरप्राइजेज फ्लाईऐश ब्रिक्स इकाई लगातार उत्पादन कर रही है। अब तक लगभग 80 हजार ईंटों का निर्माण हो चुका है। वे प्रतिमाह 60 हजार रुपये की बैंक किश्त नियमित रूप से जमा कर रही हैं, बिना किसी चूक के। संयुक्त परिवार, खेती, बच्चों की परवरिश और उद्योग, सब कुछ संतुलन के साथ चल रहा है। चार एकड़ भूमि पर धान और गेहूं की खेती भी जारी है। अब ईंटों की मांग बढ़ती जा रही है। जल्द ही वे ईंट रखने की लकड़ी की ट्रॉली (पीढ़ा) खरीदने वाली हैं। उनका लक्ष्य है प्रतिदिन 15 हजार ईंट उत्पादन और प्रतिमाह 6 से 7 लाख रुपये का कारोबार।

डस्टबिन से मिली पहचान

आज वही परिवार और समाज, जिसने कभी उन्हें रोका था, उनके साहस की सराहना करता है। अंजना उरांव स्वयं कहती हैं, श्लोग जिस डस्टबिन को कचरा समझते हैं, उसी डस्टबिन ने मुझे मेरी पहचान दी। इसलिए जहाँ से भी ज्ञान मिले, उसे अपनाइए। मेहनत, जुनून और लगन से कोई भी बाधा पार की जा सकती है।

सकारात्मक और प्रेरणादायक लोगों के साथ रहें, जो आपको आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी का कहना है कि अंजना उरांव निश्चित ही उन महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं, जो साधनों और संसाधनों के अभाव का हवाला देकर आगे बढ़ने से रुक जाती हैं। सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ लेकर एक सफल उद्यमी बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही अंजना पर गर्व किया जाना चाहिए।

यह एक कहानी नहीं, बल्कि एक संदेश

अंजना उरांव की यह कहानी सिर्फ. एक महिला उद्यमी की सफलता नहीं है। यह कहानी है सरकारी योजनाओं के सही उपयोग, ग्रामीण महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत की जमीनी तस्वीर और उस सोच की, जो अवसर को कचरे में भी खोज लेती है। डस्टबिन से उद्योग तक का यह सफर बताता है कि सपनों को हकीकत में बदलने के लिए दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत और अटूट आत्मविश्वास की आवश्यकता होती है, तभी मजिल को हासिल किया जा सकता है।

खास खबर

अंबागढ़ चौकी में नीति आयोग संपूर्णता अभियान 2.0 का भव्य शुभारंभ

मोहला । जिले के आकांक्षी विकासखंड अंबागढ़ चौकी में नीति आयोग के संपूर्णता अभियान 2.0 का भव्य शुभारंभ बुधवार 28 जनवरी को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष पुनऊ राम फूलकंवर एवं जिला अध्यक्ष दिलीप वर्मा के करकमलों से हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत स्कूली बच्चों, नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा निकाली गई संपूर्णता रैली से की गई। इसके पश्चात आकांक्षी विकासखंड नोडल अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मोहला द्वारा अभियान की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी गई। संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पूरक पोषक आहार, पशुधन विकास विभाग द्वारा गौवंश का टीकाकरण, स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मुक्त अभियान, तथा शिक्षा विभाग द्वारा बालिका शौचालय जैसे प्रमुख विषयों पर विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने लक्ष्य एवं योजनाओं की जानकारी साझा की।

मुख्य अतिथि एवं नोडल अधिकारी द्वारा ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को संपूर्णता मशाल सौंपकर निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु संकल्प दिलाया गया। इसके बाद संपूर्णता शपथ ली गई तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहियों को सामग्री का वितरण किया गया। अभियान के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाते हुए अतिथियों एवं अधिकारियों ने सिग्नेचर वॉल पर हस्ताक्षर किए तथा अंत में संपूर्णता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

एसडीएम एवं प्रभारी अधिकारी डॉ. हेमेंद्र भूआर्य ने बताया कि नीति आयोग द्वारा संचालित यह अभियान 28 जनवरी से 14 अप्रैल तक चलेगा। अभियान के अंतर्गत अंबागढ़ चौकी आकांक्षी विकासखंड में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं पशुधन से जुड़े 6 प्रमुख संकेतकों में शत-प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन संकेतकों में आईसीडीएस अंतर्गत 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों को नियमित पूरक पोषण, आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की मापन दक्षता, कार्यरत आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों में शौचालय सुविधा, तथा खुरपका-मुंहपका रोग के विरुद्ध गौवंशीय पशुओं का टीकाकरण शामिल है। संपूर्णता अभियान 2.0 के माध्यम से अंबागढ़ चौकी ब्लॉक में समग्र एवं सतत विकास की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नेहरू रजक, जनपद उपाध्यक्ष शंकर तिवारी, मंडल अध्यक्ष आशीष द्विवेदी, संदीप साहू, सरपंच संघ अध्यक्ष बीरेन्द्र कड़ियाम, जनपद सीईओ श्रीमती प्रियंवदा रामटेके, आकांक्षी ब्लॉक फेलो सविता साहू, ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, फ्रंटलाइन वर्कर्स, विद्वान समूह की महिलाएं, समस्त ग्रामों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सामान्य सभा की बैठक 5 को

कांकेर । जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक अब 05 फरवरी को पूर्वान्ह 11 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। उक्त बैठक जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती किरण नेरेटी की अध्यक्षता में 04 फरवरी आयोजित होना था, जिसे संशोधित करते हुए अब 05 फरवरी गुरूवार को नियत की गई है। जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को एजेण्डावार अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया है।

कैबिनेट मंत्री देवांगन की अध्यक्षता में आकांक्षी जिला अंतर्गत संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के समन्वय व सहभागिता से संपूर्णता अभियान 2.0 के लक्ष्यों को कर सकते है हासिल : मंत्री देवांगन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, आबकारी, सार्वजनिक उपक्रम एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नीति आयोग के आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत संपूर्णता अभियान 2.0 का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि विगत वर्ष संपूर्णता अभियान 1.0 के तहत निर्धारित संकेतकों पर योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की गईं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा-निर्देशन में नीति आयोग द्वारा कोरबा जिले को विकास की तेज राह पर आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संपूर्णता अभियान 2.0 लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि सरपंचों सहित सभी जनप्रतिनिधियों की सहभागिता और विभागीय अधिकारियों के समन्वय से आकांक्षी जिले के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए कोरबा को विकास व प्रगति के पथ पर आगे ले जाना उनकी प्राथमिकता है। मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकसित भारत की दिशा में लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए डीएमएफ की व्यवस्था से जिले में अनेक विकास कार्य संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 विजन को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी छत्तीसगढ़ को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्री श्री देवांगन ने जनजागरूकता के माध्यम से संपूर्णता अभियान 2.0 के निर्धारित संकेतकों पर प्रभावी कार्य कर लक्ष्यों की प्राप्ति और कोरबा जिले को आकांक्षी जिला श्रेणी से बाहर लाने के लिए सभी की सहभागिता अत्यंत आवश्यक बताई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने कहा कि कोरबा जिला लंबे समय से आकांक्षी जिला श्रेणी में शामिल रहा है। संपूर्णता अभियान 1.0 में बेहतर कार्य होने पर जिले को प्रोत्साहन मिला था। उन्होंने कहा कि संपूर्णता अभियान 2.0 में जिन संकेतकों को शामिल किया गया है, उन पर उपलब्धि हासिल करने पर सम्मानित किए जाने का भी प्रावधान है।

इस अवसर पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा कि शासन द्वारा आकांक्षी योजना का जिलों और आकांक्षी ब्लॉकों में प्रभावी संचालन कर तेज विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आकांक्षी जिले के सभी मानकों की लक्ष्य प्राप्ति हेतु आगामी तीन माह तक संबंधित विभागों द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के आधार पर फील्ड में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि संपूर्णता अभियान प्रधानमंत्री का एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है, जिसके अंतर्गत देशभर के कुछ जिलों और ब्लॉकों का चयन किया गया है। कोरबा जिला भी आकांक्षी जिले के रूप में शामिल है।

संपूर्णता अभियान 1.0 के दौरान निर्धारित संकेतकों पर योजनाबद्ध कार्य किया गया था। संपूर्णता अभियान 2.0 आज से प्रारंभ हुआ है और 14 अप्रैल तक स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करना लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और कृषि के प्रमुख संकेतकों को निश्चित समय सीमा में संतृप्त करना प्रमुख उद्देश्य है। अभियान का मकसद नियमित निगरानी और शासन तंत्र के प्रभावी एकीकरण के माध्यम से विगत वर्ष की उपलब्धियों को मजबूत करते हुए आगे बढ़ाना है। उन्होंने निर्धारित संकेतकों का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी एकजुट होकर शतप्रतिशत उपलब्धि हासिल करेंगे और सम्मानित होंगे।

पार्षद नरेन्द्र देवांगन ने अभियान की सफलता की कामना करते हुए संबंधित विभागों को निर्धारित मानकों की लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने की बात कही, ताकि पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग ने सम्पूर्णता अभियान के उददेश्यों को विस्तार से बताया।

संपूर्णता अभियान 2.0 के प्रमुख उद्देश्य

अभियान का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों एवं योजनाओं के बीच अभिसरण को मजबूत कर समग्र विकास को गति प्रदान करना है। स्वयं सहायता समूहों, स्थानीय नेतृत्व और सामुदायिक प्लेटफार्मों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से जनभागीदारी बढ़ाना, तथा सफल कहानियों का दस्तावेजीकरण कर नवाचार और पारस्परिक सीख को प्रोत्साहित करना भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्वास्थ्य एवं पोषण क्षेत्र में जन्म के समय शिशुओं के वजन में सुधार, क्षय रोग (टीबी) केस नोटिफिकेशन की दर में वृद्धि, तथा प्रत्येक माह कम से कम एक बार ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस अथवा शहरी स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस आयोजित करने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रतिशत को बढ़ाना प्रमुख संकेतक हैं। शिक्षा एवं कृषि क्षेत्र में क्रियाशील बालिका शौचालयों वाले विद्यालयों का प्रतिशत तथा टीकाकृत पशुओं का अनुपात भी प्रमुख संकेतकों में शामिल है।

मंत्री देवांगन ने दिलाई शपथ, स्व सहायता समूहों को चेक का वितरण

उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री देवांगन ने संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ करते हुए उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को अभियान की सफलता हेतु शपथ दिलाई। इस अवसर पर अतिथियों ने सेल्फी जोन में स्मृति फोटो भी लिए। कार्यक्रम में बिहान से जुड़े स्व-सहायता समूह- ग्राम दौंदरी की देवी स्व-सहायता समूह, जय मां दुर्गा स्व-सहायता समूह, जामबहार की जय मां लक्ष्मी एवं जय अंबे स्व-सहायता समूह, तथा सोनपूरी की राधा कृष्णा स्व-सहायता समूह को मंत्री श्री देवांगन द्वारा चेक वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त उन्होंने कोलगा के उतरा सिंह, पंचराम, शांति और दुकालुराम को स्वायल हेल्थ कार्ड भी प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने स्व-सहायता समूह द्वारा लगाये स्टाल का भी अवलोकन किया।

सेल और राइट्स ने डीजल लोकोमोटिव लीजिंग और रखरखाव के लिए समझौता ज्ञापन पर हुआ हस्ताक्षर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

देश की महारत्न और सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपने संयंत्रों और खानों में लॉजिस्टिक्स और परिचालन दक्षता को मजबूत करने के लिए नवरत्न उपक्रम राइट्स लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

सेल अपने संयंत्रों और खदानों के परिसर के भीतर एक समर्पित 'मिनी रेल नेटवर्क' संचालित करता है ताकि कच्चे माल की आवक, इन-प्रोसेस ट्रांसफर और तैयार उत्पादों के आउट-बाउण्ड बिना रुकावट परिवहन को सुनिश्चित किया जा सके। अपने डीजल लोकोमोटिव बेड़े के प्रभावी रखरखाव, जिसमें चूँकि भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की ओर अपनी संक्रमण गति को तेज कर रहा है, राइट्स डीजल लोकोमोटिव संचालन और रखरखाव में मूल्यवान विशेषज्ञता प्रदान करना जारी रखे हुए है, जो सेल के डीजल बेड़े को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। भारतीय रेलवे की सुविधाओं, स्पेयर पार्ट्स और कुशल जनशक्ति के पूल की पहुंच के साथ, राइट्स सेल की परिचालन आवश्यकताओं का को लागू करने और इसके नेटवर्क में वेट-लीज्ड लोकोमोटिव भी शामिल हैं, परिचालन को बनाए रखने और भविष्य की क्षमता विस्तार एवं विकास की योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सक्षम है। यह सहयोग दोनों संगठनों को अपनी मुख्य दक्षताओं पर ध्यान केंद्रित करने, लागत को अनुकूलित करने, परिचालन दक्षता बढ़ाने और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में योगदान देने में सक्षम बनाएगा। इस समझौता ज्ञापन पर, सेल की ओर से कार्यपालक निदेशक पी.के. बैसाखिया और राइट्स की ओर से कार्यपालक निदेशक संदीप जैन ने सेल और राइट्स के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / कटघोरा

एसीबी (इंडिया) लिमिटेड, 2x135MW पॉवर प्लांट चकाबुड़ा और कटघोरा ब्लड सेंटर के आपसी सहयोग से एक विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर कंपनी परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें कमर्चारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर की शुरुआत सुबह 9:00 बजे हुई, जहाँ बड़ी संख्या में रक्तदाता अपनी बारी का इंतजार करते दिखे।

कटघोरा ब्लड सेंटर की मेडिकल टीम ने पूरी सावधानी और स्वच्छता मानकों का पालन करते हुए रक्त संग्रहण का कार्य संपन्न किया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों में रक्त की कमी को दूर करना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। प्रांजल शुक्ला ने बताया कि "रक्तदान महादान" है और एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। एसीबी (इंडिया) लिमिटेड समय-समय पर इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्य करता रहता है। कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

उचित मूल्य दुकानों के संचालन के लिए आवेदन आमंत्रित

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 की कण्डिका 4(ख) के अंतर्गत ग्राम पंचायत में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान गोरटोला, अंबागढ़ चौकी (शहरी) की संचालन एजेंसी द्वारा दुकान का संचालन नहीं करने संबंधी समर्पण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

वहीं, शासकीय उचित मूल्य दुकान चिखली वर्तमान में निलंबित है, जिसे अस्थायी रूप से अन्य दुकान से संलग्न कर संचालित किया जा रहा है। इन परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए, समर्पित एवं निलंबित शासकीय उचित मूल्य दुकानों के नियमित संचालन हेतु वृहत्ताकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समितियाँ (लैम्प्स), प्राथमिक कृषि साख समितियाँ, वन सुरक्षा समितियाँ, महिला स्व-सहायता समूह, ग्राम पंचायतें एवं अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियाँ जो उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए इच्छुक हों, उनसे आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में 23 जनवरी 2026 को प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है। इच्छुक संस्थाएँ विहित प्रारूप में समस्त आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन पत्र विज्ञप्ति जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर, अर्थात 06 फरवरी 2026 तक कार्यालयीन समय में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मोहला के कार्यालय में जमा कर सकती हैं।

शासकीय उचित मूल्य दुकान, अंबागढ़ चौकी (शहरी)-आईडी क्रमांक 4210070001, शासकीय उचित मूल्य दुकान गोरटोला - आईडी क्रमांक 4220070007, शासकीय उचित मूल्य दुकान सांगली - आईडी क्रमांक 4220080001, शासकीय उचित मूल्य दुकान चिखली - आईडी क्रमांक 4220070050 उक्त शासकीय उचित मूल्य दुकानों का आवंटन छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के प्रावधानों के अंतर्गत किया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की वेबसाइट fcs.cg.gov.in तथा अनुविभागीय अधिकारी (रा.), मोहला कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

अबूझमाड़ की धरती से देश-दुनिया को दिया जा रहा है अमन और शांति का मजबूत संदेश: मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अबूझमाड़ की पावन धरती से शांति, सद्भाव और विकास का सशक्त संदेश देते हुए आज अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन 2026 का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अलसुबह नारायणपुर के हाईस्कूल परिसर के समीप आयोजित हाफ मैराथन सहभागिता की और धावकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा सांकेतिक रूप से स्वयं भी दौड़ लगाई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विजयी प्रतिभागियों को प्रदान किए जाने वाले मैडल का अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज अबूझमाड़ की धरती से पूरे देश और दुनिया को अमन और शांति का मजबूत संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह वही अबूझमाड़ है, जहाँ कभी आम नागरिकों और जवानों का पहुँचना भी कठिन था, लेकिन आज सकारात्मक वातावरण के कारण हजारों लोग यहाँ एकत्रित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में माओवाद से मुक्ति की दिशा में युवा वर्ग का जोश और उत्साह यह संकेत दे रहा है कि जल्द ही यह क्षेत्र खुशियों से आबाद होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह परिवर्तन डबल इंजन सरकार की नीतियों और नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन का लक्ष्य तय किया गया है और बस्तर लाल आतंक से पूरी तरह मुक्त होगा। उन्होंने नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में लगे सुरक्षा बलों के अधिकारियों एवं जवानों के अदम्य साहस और पराक्रम को नमन करते हुए कहा कि उन्हीं के बलिदान और समर्पण से आज बस्तर क्षेत्र में शांति और विकास की मजबूत नींव पड़ी है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि हाल ही में बस्तर क्षेत्र में 351 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है तथा नए विकास कार्यों की घोषणा भी की गई है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के कारण यह क्षेत्र पिछले चार दशकों से विकास से वंचित रहा, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा और बस्तर में विकास की गंगा निरंतर बहेगी। उन्होंने सम्पूर्ण बस्तर और छत्तीसगढ़ को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के सरकार के संकल्प को दोहराया।

उल्लेखनीय है कि यह 21 किलोमीटर लंबी हाफ मैराथन नारायणपुर से बासिंग तक आयोजित की गई, जिसमें देश-विदेश से आए 60 से अधिक विदेशी प्रतिभागियों सहित बस्तर संभाग, प्रदेश एवं अन्य राज्यों के 10 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया। मैराथन से पूर्व हाईस्कूल परिसर में जुंबा वॉर्मअप कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों प्रतिभागियों ने एक साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कड़ा रुख बेतरतीब तरीके से खड़ी गाड़ियों से यातायात और आम लोगों की आवाजाही हो रही परेशानी

मरीन ड्राइव पर पार्किंग को लेकर निगम का फैसला बाइक-कार वालों से वसूला जाएगा शुल्क, रेट तय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर स्थित मरीन ड्राइव में घूमने और समय बिताने आने वाले लोगों को अब वाहन पार्क करने के लिए शुल्क देना पड़ेगा है। नगर निगम ने इस योजना को लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए तालाब के पाथवे से सटे इलाकों में दो से तीन स्थानों पर पार्किंग शुल्क से जुड़े बोर्ड भी लगा दिए हैं, जिससे संकेत मिल रहा है कि व्यवस्था जल्द शुरू हो सकती है।

नगर निगम का कहना है कि मरीन ड्राइव क्षेत्र में रेस्टोरेंट और होटल में समय बिताने आने वाले लोग अपनी गाड़ियां बेतरतीब तरीके से खड़ी कर देते हैं, जिससे यातायात और आम लोगों की आवाजाही प्रभावित होती है। इसी अव्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए निगम ने दोपहिया वाहनों के लिए 10 रुपए और चारपहिया वाहनों के लिए 20 रुपए पार्किंग शुल्क तय किया है। महापौर ने निरीक्षण के दौरान इसे व्यवस्था सुधारने की जरूरत बताया।

हालांकि, इस फैसले को लेकर एक बड़ा सवाल भी खड़ा हो रहा है क्योंकि जिस इलाके में पार्किंग शुल्क वसूलने की तैयारी की जा रही है, वहां फिलहाल किसी तरह का घोषित या चिन्हित पार्किंग स्थल मौजूद नहीं है। मरीन ड्राइव के पास की सड़क को पहले लोगों की सुविधा के लिए चौड़ा किया गया था और वहीं पैदल घूमने के लिए बनी लेन के किनारे लोग अपनी गाड़ियां खड़ी करते रहे हैं। अब उसी स्थान को पार्किंग क्षेत्र मानकर शुल्क वसूलने की तैयारी की जा रही है।

महापौर एजाज ढेबर चौबे का कहना है कि यह निर्णय निगम की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से नहीं लिया गया है, बल्कि मरीन ड्राइव पर आने वाले आम लोगों को बेहतर और सुरक्षित व्यवस्था देने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मॉर्निंग वॉक के लिए आने वाले लोगों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा।

हालांकि, मॉर्निंग वॉक करने वालों को लेकर समय सीमा को लेकर स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। निगम की ओर से यह तय नहीं किया गया है कि सुबह किस समय तक मॉर्निंग वॉक की श्रेणी में छूट दी जाएगी। ऐसे में आने वाले दिनों में इस व्यवस्था को लेकर और दिशा-निर्देश जारी किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

मिसाल : समारोह में नहीं आ सके सेवानिवृत्त कर्मी, तो प्रशासन स्वयं पहुंचा घर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में सुशासन की पहचान केवल योजनाओं और निर्णयों तक सीमित नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के साथ आमजन और कर्मचारियों के जीवन को स्पर्श करने में भी दिखाई देती है। बस्तर जिला प्रशासन ने इसी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक ऐसा अनुकरणीय कदम उठाया, जिसने पूरे राज्य में प्रशासन की सकारात्मक छवि को और सशक्त किया है।

जगदलपुर स्थित कलेक्टोरेट के आस्था कक्ष में 16 सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया था। इस अवसर पर वन विभाग के कर्मी श्री दिलराज दास का नाम भी शामिल था, किंतु सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पूर्व उन्हें लकवा (पैरालिसिस) का गंभीर आघात लगा, जिससे वे चलने-फिरने में असमर्थ हो गए। समारोह में उपस्थित होने की उनकी गहरी इच्छा स्वास्थ्यगत विवशता के कारण अधूरी रह गई। जब यह विषय कलेक्टर आकाश छिकारा के संज्ञान में आया, तो उन्होंने मानवीय संवेदना के साथ त्वरित निर्णय लेते हुए कहा कि यदि कर्मचारी समारोह में नहीं आ सकता, तो प्रशासन स्वयं उसके घर जाएगा। कलेक्टर के निर्देश पर वरिष्ठ कोषालय अधिकारी अनिल कुमार पाटक ने सहायक कोषालय अधिकारी सुश्री ममता ध्रुव एवं कोषालय स्टाफ के साथ दिलराज दास के निवास पर पहुंचकर उन्हें पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) सहित सभी सेवांत लाभ सम्मानपूर्वक सौंपे तथा उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

चाइल्ड काउंसलर बनकर संवारें अपना भविष्य

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आज के तनावपूर्ण जीवन में सिर्फ बड़े ही नहीं, बल्कि बच्चे भी कई तरह की परेशानियों जैसे माता-पिता व अन्य लोगों से रिश्ते, एग्जाम प्रेशर व पीयर प्रेशर आदि से दो-चार होते हैं। यहां सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि वह अपनी परेशानी किसी से शेयर नहीं करते और कई बार तो अपनी परेशानियों को मन में ही रखने के कारण वह अवसादग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में उनकी परेशानियों को समझकर उन्हें अंधेरे से निकालकर उजाले में लाने का काम करते है चाइल्ड काउंसलर। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर व्यक्ति को दूसरों की सहायता करके एक अजीब सी संतुष्टि का अनुभव होता है।

क्या होता है काम

एक चाइल्ड काउंसलर बच्चों के व्यवहार और भावनात्मक मुद्दों पर उनकी सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही वह बच्चों के डेवलपमेंट मुद्दों जैसे चिंता, नींद, पर्सनैलिटी डिसऑर्डर व ईटिंग डिसऑर्डर को भी दूर करते हैं। उनका मुख्य काम पहले बच्चों के साथ एक रिश्ता विकसित करना होता है ताकि वह अपने मन की उन बातों को भी साझा करें, जिसे वह किसी से भी नहीं कह पाते। इसके बाद वह उनकी बातों को सुनकर व उसके हाव-भावों के जरिए उसके मन की परेशानी को गहराई से समझते हैं। वह न सिर्फ बच्चों को काउंसिल करता है, बल्कि समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए पैरेंट्स को भी काउंसिल करते हैं। जिससे माता-पिता बच्चों के मन की बात समझकर उनके लिए सपोर्ट सिस्टम बन सकें।

स्किल्स

जो लोग एक सफल चाइल्ड काउंसलर बनना चाहते हैं, उनमें कम्युनिकेशन स्किल्स व इंटरपर्सनल स्किल्स काफी अच्छे होने चाहिए। इसके अतिरिक्त उसमें बच्चे को आसानी से सहज करने व बेहतरीन तालमेल बिठाने की भी क्षमता होनी चाहिए। अगर आप सच में एक बेहतरीन चाइल्ड काउंसलर बनने की इच्छा रखते हैं तो आपको तटस्थ व निष्पक्ष होकर बच्चे की बातों को सुनना व समझना चाहिए। अधिकतर बच्चे अपने दोस्तों या माता-पिता को महज इसलिए अपनी बात नहीं बताते क्योंकि उन्हें लगता है कि वह उनकी बात नहीं समझेंगे या फिर उन्हें गलत समझेंगे। ऐसा अनुभव उन्हें चाइल्ड काउंसलर की बातों से नहीं होना चाहिए। आपके भीतर यह क्षमता होनी चाहिए कि आप बच्चों को यह विश्वास दिला सके कि आप उनकी बातों को सुनेंगे, जज नहीं करेंगे।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए 12वीं के बाद साइकोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के बाद आप साइकोलॉजी में मास्टर डिग्री या पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस व काउंसिलिंग कर सकते है। इसके बाद एमफिल या पीएचडी भी की जा सकती है।

संभावनाएं

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। वहीं आप खुद का सेंटर भी खोलकर काम कर सकते हैं।

आमदनी

अगर वेतन की बात की जाए तो इसमें सैलरी से अधिक मानसिक संतुष्टि को महत्व दिया जाता है। वहीं एक स्कूल में नियुक्त काउंसलर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। वहीं एक अनुभवी चाइल्ड काउंसलर की सैलरी एक बड़े स्कूल में 25000 से 30000 तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त अगर आप किसी प्रतिष्ठित प्राइवेट हॉस्पिटल में काम कर रहे हैं तो आपकी सैलरी 30000 या उससे अधिक हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- पंजाब यूनिवर्सिटी, पंजाब
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ काउंसिलिंग, नई दिल्ली

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी के अवसर और स्कोप

नैनोटेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटेक्नोलॉजी क्या होती है?

नैनोटेक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। नैनोटेक्नोलॉजी एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन - रसायन विज्ञान से लेकर कंप्यूटर विज्ञान तक - अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है। नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

मास्टर पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में एमएससी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एमएससी
- नैनोटेक्नोलॉजी में एमटेक
- सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एमटेक
- नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एमटेक

डॉक्टरेट पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

नैनोटेक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता है। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमेडिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में बीटेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक / जैव चिकित्सा / रसायन / जैव प्रौद्योगिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / कंप्यूटर विज्ञान में बीटेक उत्तीर्ण होना चाहिए।

पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को मैकेनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एमटेक या फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैटेरियल साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एम.एससी पास होना चाहिए। उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बीटेक + एमटेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी का स्कोप क्या है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आईटी और इंटरनेट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बैंगलोर और चेन्नई आईटी और मेडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटेक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटेक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिकके के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटेक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। पीएचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

- नैनोटेक्नोलॉजिस्ट
- वैज्ञानिक
- शोधकर्ता
- प्रोफेसर
- खाद्य वैज्ञानिक
- इंजीनियर चिकित्सा वैज्ञानिक

उद्योग / कंपनियां / जो इन पेशेवरों को नियुक्त करते हैं:

- इलेक्ट्रॉनिक्स / सेमीकंडक्टर उद्योग
- विनिर्माण उद्योग
- जैव प्रौद्योगिकी
- दवाइयों
- चिकित्सा क्षेत्र
- पर्यावरण
- विश्वविद्यालयों
- उत्पाद आधारित कंपनियां (खाद्य)
- अनुसंधान प्रयोगशाला

वेतन

फ्रेशर के लिए लगभग 20,000/- से 30,000 रुपये प्रति माह और अनुभवी उम्मीदवारों के लिए 1 लाख रुपये प्रति माह के वेतन की उम्मीद की जा सकती है।

नैनोटेक्नोलॉजी ऑफर करने वाले भारत के शीर्ष कॉलेज:

- भौतिकी विभाग, आईआईएससी, बैंगलोर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल, एनआईटी, कालीकट
- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो-टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस सेक्रेटरी से मैनेजर तक

सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस कोर्स करके आप महत्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारियों के पर्सनल सेक्रेटरी बनने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए अनेक शॉर्ट टर्म और डिग्री कोर्स उपलब्ध हैं।

वैश्वीकरण के बाद जिस तेजी से ऑफिस की कार्यप्रणाली और स्वरूप बदला है, ऑफिस सेकेट्री और पर्सनल सेक्रेटरी की भूमिका भी अहम होती जा रही है। सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस कोर्स में दाखिला लेकर आप ऑफिस सेकेट्री या पर्सनल सेकेट्री बन कर एक अच्छा करियर बना सकते हैं। ऑफिस सेकेट्री किसी ऑफिस में प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों को मैनेज करने में अहम भूमिका निभाता है। महत्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों के पर्सनल सेक्रेटरी बन कर आप उनके डेली रूटीन तथा ऑफिस शड्यूल को मैनेज करते हैं। देश के विभिन्न विश्वविद्यालय और प्राइवेट संस्थान सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्स ऑफर करते हैं।

योग्यता तथा पढ़ाई

शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रवेश लेने के लिए दसवीं तथा कुछ संस्थानों के लिए बारहवीं पास होना आवश्यक है। इस क्षेत्र में आगे की पढ़ाई मसलन डिग्री तथा डिप्लोमा कोर्स करने के लिए बारहवीं पास होना अनिवार्य योग्यता है। इन कोर्सों के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल का होना अतिआवश्यक है। इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य छात्र को सेक्रेटरी के उत्तरदायित्वों को समझाना, सेक्रेटेरियल कार्यों के लिए गुणों का विकास करना, संगठन या ऑफिस की कार्यप्रणाली को समझाना तथा कंप्यूटर, इंटरनेट, फैक्स आदि ऑफिस में प्रयोग होने वाले उपकरणों को ऑपरेट करना सिखाया जाता है। शॉर्ट टर्म कोर्स में शॉर्ट हैंड, टाइपराइटिंग, कंप्यूटर बेसिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन तथा पर्सनेलिटी डेवलपमेंट विषय पढ़ाए जाते हैं। लेकिन डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्सों में इन विषयों के अलावा मैनेजमेंट, अकाउंट, कंपनी लॉ और बैंकिंग सर्विसेज विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है।

संभावनाएं

कोर्स करने के बाद सरकारी तथा प्राइवेट क्षेत्रों में सभी तरह के दफ्तरों में सेक्रेटरी की जॉब मिलती है। लेकिन हाल में मल्टीनेशनल, पब्लिक सेक्टर कंपनियों तथा होटल्स में स्किल्ड सेक्रेटरी और ऑफिस सेक्रेट्री के जॉब की अपार संभावनाएं हैं। बैंकों, वित्तीय संस्थानों, लॉजिस्टिक फर्म तथा ट्रैवल एजेंसी में भी सेक्रेटरी के रूप में जॉब कर सकते हैं। अपनी योग्यता तथा अनुभव से आप सेक्रेटरी से जॉब शुरू करके ऑफिस मैनेजर बन सकते हैं।

प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास के बाद क्या करेंगे अरिजीत सिंह

क्या 38 साल के सिंगर अरिजीत सिंह अब शांत और गांव जैसी जिंदगी में लौट रहे हैं? बुधवार को यही सवाल सबके मन में था। एक दिन पहले उन्होंने एलान किया कि वे प्लेबैक सिंगिंग से आधिकारिक रूप से रिटायर हो रहे हैं, लेकिन संगीत से नहीं। कई सेलेब्स ने अरिजीत के लिए पोस्ट शेयर किए हैं

सिंगर सोना मोहपात्रा

सिंगर सोना मोहपात्रा ने लिखा, प्लेबैक सिंगिंग से दूर जाना आजादी और नई संभावनाओं की ओर कदम है। मुझे यकीन है कि उनके कारण निजी और सही हैं। वे खुद के लिए जगह बना रहे हैं, नए गाने अपनी शर्तों पर बनाने के लिए। इससे नई आवाजों को मौका मिलेगा।

नीना गुप्ता

अभिनेत्री नीना गुप्ता ने कहा, पहले चौंक गई, लेकिन यह बहादुरी है। कभी-कभी हम एक ही रास्ते पर फंस जाते हैं। वे संगीत सीखना चाहते हैं, जो अच्छा है। हम उन्हें मिस करेंगे, लेकिन शायद कुछ नया लेकर आएंगे।

अरिजीत का संगीत करियर

अरिजीत का संगीत करियर तेजी से ऊपर चढ़ा। 2005 में रियलिटी शो फेम गुरुकुल से शुरू किया। 2011 में मर्डर 2 का फिर मोहब्बत से प्लेबैक डेब्यू किया। आशिकी 2 का तुम ही हो ने उन्हें स्टार बनाया, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। आखिर अब अरिजीत क्या करने वाले हैं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वह फिल्म निर्माता बनेंगे?

अरिजीत के हिट गाने

अरिजीत ने अगर तुम साथ हो, गेरुआ, चन्ना मेरेया, ऐ दिल है मुश्किल, बुल्लेया, जालिमा, गलती से मिस्टेक, ऐ वतन, मस्त मगन, केसरिया, अपना बना ले, झूमे जो पठान, तुम क्या मिले, वे कमलेया, चलेया और गहरा हुआ जैसे कई गानों से दिल जीता है। अरिजीत एक्टर शाहरुख से लेकर सलमान, आमिर, अक्षय और रणबीर जैसे सितारों के लिए पसंदीदा आवाज बने।

25 साल के फिल्मी सफर की चुनौतियों पर बोलीं एक्ट्रेस श्रिया सरन

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री श्रिया सरन को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 25 साल पूरे हो गए हैं। इतने लंबे सफर के बाद उनका नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने अलग-अलग भाषाओं और सिनेमा के दौर को करीब से देखा है। श्रिया सरन ने बातचीत में अपने करियर, फिल्मी दुनिया में आए बदलाव और आज के दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे प्री-सोशल मीडिया दौर से लेकर आज के डिजिटल युग तक इंडस्ट्री पूरी तरह बदल चुकी है। खास बातचीत में श्रिया सरन ने सबसे पहले फिल्म सेट्स पर आए तकनीकी बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, जब मैंने करियर की शुरुआत की थी, तब शूटिंग का माहौल बिल्कुल अलग था। उस समय लाइट्स बहुत तेज होती थीं, जो आंखों को चुभती थीं और कई बार परेशानी भी होती थी। कैमरे भी भारी और सीमित तकनीक वाले होते थे। कलाकारों को सेट पर इंतजार करना पड़ता था और कैमरे के चलने की आवाज सुनकर ही पता चलता था कि शूटिंग शुरू हो गई है। उस दौर में सब कुछ ज्यादा मेहनत और धैर्य की मांग करता था।

श्रिया ने कहा, आज हालात काफी बदल चुके हैं। तकनीक ने फिल्म इंडस्ट्री को ज्यादा आरामदायक बना दिया है। अब सॉफ्ट लाइट्स होती हैं जो आंखों पर असर नहीं डालतीं। कैमरे पहले से ज्यादा आधुनिक और हल्के हो गए हैं, जिससे शूटिंग आसान और तेज हो गई है। इन बदलावों की वजह से कलाकार अपने अभिनय पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल भी पहले से बेहतर हो गया है। श्रिया सरन ने कहा, पहले कलाकारों को सिर्फ एक मैनेजर से डील करना पड़ता था, लेकिन अब पूरा सिस्टम बदल चुका है। आज एजेंसियों का दौर है, जहां कलाकारों को कई लोगों से बात करनी होती है। नई पीढ़ी के लोग नई तरह की जानकारी और सोच लेकर आते हैं। वे ऐसी चीजें जानते हैं, जो पुरानी पीढ़ी को नहीं पता होती। ऐसे में बदलाव को स्वीकार करना जरूरी है। अपने 25 साल के करियर के उतार-चढ़ाव पर बात करते हुए श्रिया ने कहा, इतने लंबे सफर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं। कभी ऐसा लगता है कि सब कुछ अच्छा चल रहा है और कभी इंसान खुद को बहुत अकेला या कमजोर महसूस करता है। इन मुश्किल दिनों से निकलने के लिए अपने आसपास ऐसे लोगों का होना बहुत जरूरी है, जो आपका साथ दें और आपको संभालें। सही लोग और सकारात्मक माहौल ही आपको आगे बढ़ने की ताकत देते हैं। श्रिया सरन ने अपने लंबे और सफल करियर का श्रेय अपनी टीम और सहयोगियों को दिया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी निर्देशकों और सह-कलाकारों की देन हूं, जिनके साथ मैंने काम किया है। हर फिल्म और हर अनुभव ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। अगर सही लोग और टीम का सहयोग न मिला होता, तो यह सफर इतना आसान और सफल नहीं होता।

फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की एक्सपायरी डेट होती है

एक्ट्रेस मोना सिंह फिल्म बॉर्डर 2 की कामयाबी को लेकर खुश हैं। वह जल्द ही कोहरा के दूसरे सीजन में नजर आने वाली है। इसमें वह एक पुलिस ऑफिसर का चैलेंजिंग रोल निभा रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने किरदार और फिल्म इंडस्ट्री में बड़ी उम्र के कलाकारों के बारे में बात की है।

स्क्रीन पर बूढ़ी क्यों दिखती हैं मोना?

बातचीत में मोना सिंह ने 40 की उम्र में भी स्क्रीन पर 50 और 60 साल के किरदारों को निभाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मैंने अपनी ऑन-स्क्रीन उम्र की परवाह नहीं की है, क्योंकि मैं बहुत कॉन्फिडेंट हूं और मुझे पता है कि मैं कौन हूं। मुझे कुछ भी साबित नहीं करना है, इसलिए मैं रिस्क लेती रहती हूं। लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं, आप स्क्रीन पर इतनी बूढ़ी क्यों दिखती हैं? मैं कहती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह वह किरदार है जिसे मैं निभा रही हूं और यह मुझे सच में एक्साइट करता है।

60 की उम्र में पुरुष करते हैं रोमांटिक रोल

एक्ट्रेस ने माना कि इंडस्ट्री में लोग बड़ी उम्र के एक्टर्स को अच्छे रोल देने से हिचकिचाते हैं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ इसी इंडस्ट्री में होता है कि महिलाओं की एक एक्सपायरी डेट होती है। यह बहुत दुख की बात है। 60 साल के पुरुष अभी भी रोमांटिक लीड रोल कर सकते हैं, जबकि महिलाएं नहीं कर सकतीं। मैंने कभी इस बारे में ज्यादा परवाह नहीं की।

बॉर्डर 2 में मोना का किरदार

आपको बता दें कि मोना सिंह ने 23 जनवरी को रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल की पत्नी का किरदार निभाया है। इसके लिए उनकी काफी तारीफ हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है।

कब रिलीज होगी कोहरा 2

मोना ने कोहरा सीजन 2 का हिस्सा बनने को एक बहुत बड़ा सम्मान बताया। दूसरे सीजन में, वह धनवंत कौर का रोल निभा रही हैं। कोहरा 2 11 फरवरी को रिलीज होगी।

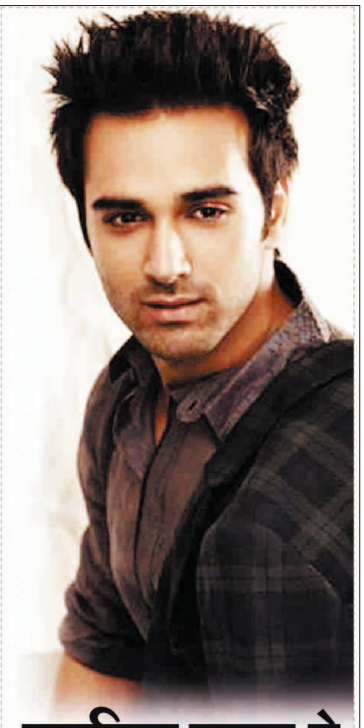

पुलकित सम्राट ने ग्लोरी के साथ नए लीग में रखा कदम

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था। वह कहते हैं, यह प्रक्रिया बेहद इंटेंस रही है, लेकिन उतनी ही एडिक्टिव भी। बता दें कि पुलकित को इस किरदार की तैयारी के लिए कड़ी फिज़िकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा, साथ ही भावनात्मक स्तर पर भी खुद को पूरी तरह झोंकना पड़ा। एक बॉक्सर की भूमिका निभाना उनके लिए कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर खुद को नए सिरे से खोजने जैसा है। पुलकित यह भी कहते हैं, अगर अभिनेता सेफ खेलते रहें, तो उनकी ग्रोथ रुक जाती है और सब कुछ फॉर्मूला बन जाता है। अब हम इसके लिए तो अभिनेता नहीं बने है न। उनके अनुसार, खुद को चुनौती देना न सिर्फ कलाकार के विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि दर्शकों को कुछ नया देने के लिए भी ज़रूरी है। बीते सालों में पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता और प्रयोग के जरिए एक अलग पहचान बनाई है,फिर चाहे वह हल्की-फुल्की एंटरटेनर फिल्में हों, गंभीर हों या परफॉर्मेंस-ड्रिवन रोल्स हों। रही बात ग्लोरी की तो इस फिल्म का किरदार उनके करियर में एक मज़बूत परत जोड़ता है। यह एक ऐसा किरदार है, जो अनुशासन, संवेदनशीलता और सच्ची भावनात्मक ईमानदारी की मांग करता है। फिलहाल ग्लोरी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रख रहे पुलकित एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, जो जोखिम उठाने के साथ-साथ खुद को नए रूप में गढ़ने और रचनात्मक महत्वाकांक्षा से भरा है। हालांकि ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में वह न सिर्फ अपने एक लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर रहे हैं, जो हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को लगातार विकसित करता जा रहा है।

जितना ध्यान लोग सोशल मीडिया पर देते हैं, फैमिली पर भी दें

बॉलीवुड में शाहिद कपूर की शुरुआत साल 2003 में एक लवर बॉय के तौर पर इश्क विश्क से हुई थी। इंडस्ट्री में आम तौर पर एक्टर्स का एक इमेज में बंध जाना जहां स्वभाविक की समस्या बन जाती है, वहीं हरफनमौला शाहिद ने इस बंधन को मानने से इनकार कर दिया। पर्दे पर उन्हें जब वी मेट और विवाह में निहारने वाले दर्शक तब दंग रह गए, जब कमीने, हैदर, कबीर सिंह में उनका इन्टेंस अवतार दिखा। अब वह विशाल भारद्वाज की ओ रोमियो में एक गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं। आप चाहे उनके फैन हो या नहीं, लेकिन उनकी अदाकारी के ग्राफ की तारीफ हर कोई करता है। एक दमदार एक्टर होने के साथ ही शाहिद एक फैमिली मैन भी हैं। बातचीत में उन्होंने करियर और निजी जीवन के बीच के संतुलन, पैरेंटिंग, शादी, परफॉर्मेंस ओरिएंटेड भूमिकाओं, और ओ रोमियो पर बात की है।

अपने परिवार को पॉजिटिव सोच देनी चाहिए

शाहिद कपूर एक बेहतरीन पिता भी हैं। वह मीशा और जैन के प्यारे पापा हैं। आज के दौर में वह बच्चों को वह किस तरह के वैल्यूज देना चाहेंगे? इस सवाल पर एक्टर कहते हैं, 'इस पर तो किताब लिखी जा सकती है। मुझे लगता है कि आपके परिवार के जो मूल्य हैं, वह आपके बच्चों में होने चाहिए। बच्चों को हमेशा पॉजिटिव एनर्जी देनी चाहिए, क्योंकि आजकल के बच्चे और यंगस्टर्स बहुत समझदार हो गए हैं। आजकल के बच्चे हर चीज के लिए बहुत ज्यादा सोचते हैं और नकारात्मक पहलुओं की तरफ उनका फोकस ज्यादा है, तो ऐसे में उन्हें पॉजिटिव सोच देना बहुत जरूरी है। उन्हें बताना जरूरी है कि हम इन फैमिली वैल्यूज में विश्वास करते हैं। बच्चों को बहुत ज्यादा प्यार देने की जरूरत है, एक कनेक्शन स्थापित करना, उनसे कम्युनिकेट करना बेहद आवश्यक है।'

बच्चों पर अपने सपने ना थोपें

शाहिद से जब पूछा गया कि वह अपने बच्चों को किस चीज से बचाना चाहेंगे? तो जवाब मिला, 'मुझे लगता है कि मां-बाप को अपने बच्चों को अपनी ख्वाहिशों और महत्वाकांक्षाओं से बचाना चाहिए। बच्चों पर अपने सपने न थोपें। ऊपर वाले ने उन्हें अपनी एक यात्रा पर भेजा है और बच्चों को उस सफर पर जाने दें।'

शादी में एक-दूसरे को वक्त देना बहुत जरूरी है

पत्नी मीरा राजपूत के साथ बॉन्डिंग के बारे में शाहिद कहते हैं, 'मैं हमेशा कहता हूं कि शादी डेली वर्क है। अपनी शादी देखकर हर किसी को लगता है कि दूसरे की शादी अच्छी है, पर ऐसा नहीं होता। जिस तरह से आप आज इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर फोकस करते हैं, उसी तरह से अपनी रिलेशनशिप पर भी ध्यान देना जरूरी है। जब आप अपने पार्टनर पर ध्यान देते हैं और उसे इज्जत देते हैं, तो वह सामने वाले को भी महसूस होता है। शादी में पार्टनर को वक्त और सम्मान देना बहुत आवश्यक है। मैं-मीरा ये ही कोशिश करते हैं।'

आप तभी ट्रांसफॉर्म होते हैं, जब खुद को चुनौती देते हैं

शाहिद कपूर ने लवर बॉय से अपने करियर की शुरुआत की थी और फिर इंटेंस और टफ भूमिकाओं में नजर आए। इस ट्रांसफॉर्मेशन पर वह कहते हैं, 'आप ट्रांसफॉर्म तभी हो पाते हैं, जब आप रिस्क लेना या खुद को चुनौती देना शुरू करते हैं। इससे आप मुश्किल भूमिकाएं कर पाते हैं और फिर उस सफर का आनंद उठाने लगते हैं। जब लोग उस चीज को देखते हैं और पसंद करते हैं, तब वे उस तरह के रोल्स का प्रस्ताव आपके पास लाने लगते हैं और एक सिलसिला चल निकलता है।

ओ रोमियो डरावनी भी है, रोमांटिक भी, इमोशनल भी

शाहिद आगे कहते हैं, अब विशाल सर के साथ ही ओ रोमियो मेरी चौथी फिल्म है। ये नब्बे के गैंगस्टर की प्रेम कहानी है और सभी जानते हैं कि विशाल भारद्वाज की फिल्मों की दुनिया थोड़ी अनोखी और अजीब होती है। फिल्म के अंदर एक ड्रामा है, पर यह फिल्म थोड़ी क्रिर्की है। ये एक ही साथ में डरावनी भी है, रोमांटिक भी और इमोशनल भी।'

अनिल रतेरिया व रामचन्द्र शर्मा के आतिथ्य में हुआ पुरस्कार वितरण

किक बॉक्सिंग टूर्नामेंट संपन्न, संस्कार स्कूल बना खेल प्रतिभाओं का मंच

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

जिला स्तरीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन संस्कार पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ। रायगढ़ किक बॉक्सिंग संघ के सचिव अमरदीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्कार पब्लिक स्कूल, रायगढ़ में हुई प्रतियोगिता में जिले भर से लगभग 100 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपने कौशल, शक्ति और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जिले में किक बॉक्सिंग तेजी से लोकप्रिय हो रही है और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम का उद्घाटन संस्कार पब्लिक स्कूल के संचालक श्री रामचंद्र शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय में खेलों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि उनके विद्यालय में किकबॉक्सिंग के साथ-साथ ताइक्वांडो, योग, बास्केटबॉल, लॉन टेनिस, वॉलीबॉल और क्रिकेट जैसे विभिन्न खेलों का नियमित संचालन किया जाएगा, ताकि बच्चों को खेलों के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य मिल सके।

प्रतियोगिता का समापन समारोह के मुख्य अतिथि अनिल रतेरिया की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। उन्होंने

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि किक बॉक्सिंग जैसी प्रतिस्पर्धाएँ युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और साहस विकसित करती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने के लिए संस्कार पब्लिक स्कूल को योगदान देने पर प्रशंसा की।

इस चैंपियनशिप में म्यूजिकल फॉर्म, पॉइंट फाइट, लाइट कॉन्टैक्ट, फुल कॉन्टैक्ट, किक लाइट, लो किक जैसे विभिन्न इवेंट शामिल थे। विजेता खिलाड़ी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपना दमखम दिखाएंगे। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी एवं गोल्ड मेडलिस्ट ममता सिंह ठाकुर, इंटरनेशनल रेफरी प्रणय शंकर शुक्ला, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मनोज केसरा, हरि यादव, महेंद्र, सुमित सिंह और ईशान, भवानी शंकर षडंगी स्कूल की प्राचार्या श्रीमती पांडे, समाज सेवी अनिता मिश्रा की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई। वहीं, किक बॉक्सिंग संघ के संस्थापक जय कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं और खेलों को बढ़ावा देने हेतु अपना सहयोग देने का संकल्प दोहराया।

जिला किक बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष सरनदीप एवं राज्य किक बॉक्सिंग संघ के कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा एवं महासचिव आकाश गुरुदीवान ने भी खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं और उन्हें निरंतर मेहनत करते रहने के लिए प्रेरित किया। यह आयोजन जिले में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

खास खबर

केन्द्रीय बजट से महिलाओं की शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा- छात्राएं

दुर्ग। जिले के महिला महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राएं अदिति मौर्य और खुशबू, जो मूलतः जगदलपुर की निवासी हैं, ने केंद्रीय बजट को दूरदर्शी और सभी वर्गों के हित में बताया है। छात्राओं का कहना है कि इस बजट में महिलाओं, छात्राओं और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले युवाओं की जरूरतों को विशेष रूप से ध्यान में रखा गया है। छात्राओं ने बताया कि उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दूसरे जिलों में आने वाली छात्राओं को आवास की सबसे बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है। हॉस्टल की सुविधा नहीं होने के कारण कई छात्राएं अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं या फिर पीजी में रहकर पढ़ाई करती हैं, जहां शैक्षणिक माहौल अनुकूल नहीं मिल पाता। वनांचल क्षेत्रों की छात्राओं के लिए यह समस्या और भी गंभीर है। ऐसे में केंद्रीय बजट में छात्रावास (हॉस्टल) सुविधा की घोषणा से बाहर से आकर पढ़ने वाली छात्राओं को सुरक्षित और अनुकूल वातावरण मिलेगा, जिससे वे बिना किसी चिंता के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेंगी। छात्राओं ने कहा कि यह बजट महिलाओं को आत्मनिर्भरता और सशक्त करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

डॉ. शशि को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

भिलाई। चित्रकार एवं शिक्षिका डॉ. शशि प्रिया को इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के 17वें दीक्षांत समारोह में चित्रकला (ललित कला) में डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किया गया। यह समारोह राज्यपाल रमेन डेका, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक अनुज शर्मा और कुलपति डॉ. लवली शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि एएएफटी रायपुर के दृश्य कला विभाग की संकाय सदस्य डॉ. शशि प्रिया ललित कला के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे एक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा से आती हैं। उनके पिता रिखी क्षत्रिय एक प्रसिद्ध लोक कला संग्राहक हैं, जिन्हें पारंपरिक लोक वाद्य यंत्रों के इतिहास और उपयोग का गहन ज्ञान है। डॉक्टरेट हासिल होने पर डॉ. शशि ने अपने शोध निर्देशक डॉ. विकास चंद्रा के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं उन्होंने माता- अन्नपूर्णा क्षत्रिय, पिता रिखी क्षत्रिय और पति अभिषेक उपाध्याय सहित सह कलाकारों एवं शुभचिंतकों के सहयोग के लिए कृतज्ञता प्रकट की है।

गुफा की विरासत को खतरे में

पर्यटन के लिए ग्रीन गुफा खोलने का मामला पहुंचा कोर्ट , 18 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर/बिलासपुर

कांकेर वैली नेशनल पार्क स्थित ग्रीन गुफा को टूरिज्म के लिए खोलना और गुफा के प्रवेश द्वार का निर्माण, सीढ़ी, पाथवे इत्यादि संरचनाओं के निर्माण के विरुद्ध दायर जनहित याचिका में आज शासन की तरफ से बताया गया कि गुफा में कुछ लोग नाम खोद देते जिससे गुफा के संरक्षण के लिए गुफा के बाहर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस पर कोर्ट ने कहा कि गुफा को आम जनता से बचाने के कार्य किये जा सकते है, जिनसे गुफा की विरासत को खतरा हो। कोर्ट ने संचालक कांकेर वैली नेशनल पार्क से शपथ पत्र मांग, 18 फरवरी 2026 को अगली सुनवाई निर्धारित की है।

याचिकाकर्ता रायपुर निवासी नितिन सिंघवी की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि वन विभाग पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गेट सीढ़ी और पाथवे बनवा रहा है। 24 दिसंबर 2025 को हुई वन विभाग की बैठक में कांकेर वैली नेशनल पार्क के संचालक में पावर पॉइंट के माध्यम से ग्रीन गुफा के प्रवेश द्वार, सीडी पाथवे इत्यादि संरचनाओं के निर्माण का प्रस्तुतीकरण किया जिस पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक

(वन्यप्राणी) द्वारा जनवरी माह के अंत तक पर्यटकों के लिए गुफा खोलने के निर्देश दिए गए और गुफा खोलने की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने हेतु अच्छे साइनेज, फोटो वीडियो के माध्यम व्यापक चार प्रसार करने के निर्देश दिए गए।

डॉ. पति ने कहा सिर्फ वैज्ञानिक अनुसंधान एवं दीघकालिक संरक्षण के लिए रखें

याचिकाकर्ता ने यह भी बताया कि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफ स्टडीज इन लाइफ साइंस, डॉ. ए. के. पति से भी विशेषज्ञ राय ली गई थी। डॉ. पति ने कहा कि कांकेर वैली राष्ट्रीय उद्यान की गुफाएँ, विशेष रूप से कुटुमसर केव कॉम्प्लेक्स एवं ग्रीन केव, अत्यंत महत्वपूर्ण, संवेदनशील और वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यधिक मूल्यवान पारिस्थितिक तंत्र हैं। गुफाओं का सूक्ष्म जलवायु तंत्र, सूक्ष्मजीव समुदाय तथा गुफा-अनुकूलित जीव अत्यंत दीर्घकाल में विकसित होते हैं और मानव हस्तक्षेप के प्रति अत्यंत कम सहनशील होते हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि ग्रीन केव जैसी अत्यधिक संवेदनशील गुफाओं को पर्यटन के बजाय केवल वैज्ञानिक अनुसंधान एवं दीघकालिक संरक्षण के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए। डॉ. पति द्वारा दी गई लिखित राय भी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई।

बीरबल साहनी इंस्टिट्यूट ऑफ पेलियोसाइंसेज लखनऊ से ली राय

याचिकाकर्ता द्वारा कोर्ट को बताया गया कि ग्रीन गुफा को पर्यटकों के लिए खोलने एवं निर्माण कार्य के संबंध में भारत सरकार की संस्था बीरबल साहनी इंस्टिट्यूट ऑफ पेलियोसाइंसेज, लखनऊ (BSIP) से विशेषज्ञ राय ली गई थी, जिसे कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वहां के प्रोफेसर डॉ. महेश जी. ठक्कर (निदेशक, BSIP) ने कहा कि गुफा के प्रवेश द्वार के अत्यंत निकट रेत, बजरी और लोहे की छड़ों जैसे निर्माण सामग्री का भंडारण और उपयोग विशेष रूप से चिंताजनक है। ऐसे सिविल कार्यों से प्राकृतिक ड्रेनेज एवं सीपेज पैटर्न बदल सकते हैं, गाद और धूल का प्रवेश बढ़ सकता है, गुफा के भीतर वायु प्रवाह, माइक्रोक्लाइमेट और रासायनिक संतुलन प्रभावित हो सकता है, जिससे गुफा के इकोसिस्टम को पर्यटन शुरू होने से पहले ही अपरिवर्तनीय क्षति पहुँच सकती है। इसलिए उन्होंने जोर देकर सलाह दी कि जब तक विस्तृत बहुविषयक वैज्ञानिक अध्ययन पूरे नहीं हो जाते, तब तक सभी निर्माण एवं पर्यटन संबंधी गतिविधियाँ तत्काल रोक दी जानी चाहिए। उन्होंने अपने मत में बताया कि ग्रीन गुफाएँ पृथ्वी पर पाए जाने वाले सबसे नाजुक और संवेदनशील प्राकृतिक प्रणालियों में से हैं। चूना-पत्थर की गुफाएँ, विशेष रूप से वे जिनमें दुर्लभ फोटोसिंथेटिक या कीमो-सिंथेटिक माइक्रोबियल परतें होती हैं, बंद और अत्यंत स्थिर इकोसिस्टम होती हैं, जो हजारों से लाखों वर्षों में नमी, तापमान, रोशनी, वायु प्रवाह एवं जियोकेमिस्ट्री की विशेष परिस्थितियों में विकसित होती हैं।

डायरेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि ग्रीन केव को बिना किसी विस्तृत वैज्ञानिक, पारिस्थितिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) अध्ययन के आम जनता के लिए खोलना अत्यंत जोखिमपूर्ण और वैज्ञानिक दृष्टि से गलत है। ऐसे कार्यों से ऐसा नुकसान हो सकता है, जो तुरंत दिखाई न दे, लेकिन गुफा की सूक्ष्म पारिस्थितिकी को स्थायी रूप से बदल या समाप्त कर सकता है। एक बार यदि यह प्रणाली बाधित हो जाती है, तो मानव समय-सीमा में इसका पुनर्स्थापन लगभग असंभव होता है।

सामाजिक एकता का मिशाल बनी भिलाई नगर ठेठवार यादव समाज, यादव दर्पण स्मारिका का हुआ विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ राज्य ठेठवार यादव समाज भिलाई नगर इकाई के द्वारा रविवार को वार्षिक मिलन समारोह एवं युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भिलाई नगर यादव ठेठवार समाज के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार यादव ने की। विशेष रूप से राजिम महासभा के प्रदेश अध्यक्ष गुलेंद्र यादव, सहित समाज के समाज सेवी मौजूद रहें।

वक्ता के रूप में पाटन से बलराम यादव और रायपुर से मनी यादव ने समाज उत्थान के लिए अपनी बाते रखी। अतिथियों के द्वारा समाज के

द्वारा प्रकाशित यादव दर्पण पुस्तिका के ग्यारहवां संस्करण का विमोचन किया गया। समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों द्वारा अपना परिचय मंच के माध्यम से दिया गया। अतिथियों ने समाज के प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान किया गया। उल्लेखनीय कार्य करने वाले समाज के लोगो का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में अध्यक्ष नरेंद्र कुमार यादव, महासचिव राजेंद्र यादव ,कोषाध्यक्ष पवन कुमार यादव, संरक्षक गुलेंद्र यादव ,उमाशंकर यादव, खेम सिंह यादव, घनश्याम सिंह यादव ,ओंकारेश्वर यादव, कोमल यादव, पुखराज यादव, ईश्वरी यदु, लब सिंह यादव, रविंद्र यादव, प्रवीण यादव, श्रवण कुमार यादव, मोहन कुमार यादव, राजकुमार यादव, माधव यादव, देवेंद्र कुमार यादव, धर्मेंद्र यादव, रमेश यादव, मिथिलेश यादव, महेश कुमार यादव, सत्यनारायण यादव, पंडित चेतन लाल यादव, सहित महिला इकाई से अध्यक्ष श्रीमती सत्यभामा राजेंद्र यादव, महासचिव श्रीमती विजेता यादव, कोषाध्यक्ष डॉ रेणु यादव ,संरक्षक श्रीमती वसुंधरा यादव, श्रीमती डॉक्टर सुषमा यादव ,श्रीमती माया यादव, श्रीमती सरोज वीरेंद्र यादव ,श्रीमती वंदना यादव, श्रीमती ममता यादव, श्रीमती सुषमा यादव, श्रीमती मंजू यादव, श्रीमती दीप्ति कृष्णवंशी, श्रीमती सुधा यादव, तारा पुखराज यादव , योगेश्वरी यादव, श्रीमती गायत्री यादव, श्रीमती किरण यादव , कविता यादव वंदना यादव, सरिता यादव, शिवानी यादव , सुनीता यादव एवं युवा प्रकोष्ठ से अध्यक्ष जयेंद्र यादव, महासचिव सूर्यकांत यादव, कोषाध्यक्ष गजेंद्र यादव, लोकचंद यादव, चंदन यादव, राजेश यादव, नरेंद्र यादव, तरुण यादव, प्रमोद यादव, रामेश्वर यादव, आशीष यादव ,नीरज यादव, रमेश यादव ,राजेश यादव, वेद प्रकाश यादव, संदीप यादव, वैभव यादव ,विवेक यादव, वासुदेव गुलशन यादव, विजय, रवि यादव, रविंद्र यादव ,श्याम यादव, रमन यादव ,शेखर यादव सहित समाज के गणना नागरिक मौजूद रहे।

मुलाकात....

हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने नई दिल्ली में भाजपा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नितिन नबीन से की भेंट

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नितिन नबीन से शिष्टाचार भेंट कर उनके नए दायित्व के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अभिमन्यु ने कहा कि हम उनके नेतृत्व में एक कार्यकर्ता के रूप में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

जन समस्या सहारा कंपनी में जमा राशि नहीं मिली, आवेदक ने की शिकायत, जनदर्शन में कुल 165 आवेदन हुए प्राप्त

नहर पुल के जर्जर होने से परेशान मोरिदवासी, पुनर्निर्माण की मांग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 165 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में भिलाई चरोदा नगर निगम के वार्ड

39 ग्राम मोरिद निवासियों ने नहर के पुल को पुर्ननिर्माण कराने आवेदन दिया। ग्रामवासियों ने बताया कि नहर पुल दुर्घटनाओं का कारण बन गया है। सड़क सीमेंटीकरण के बाद पुल सड़क के बराबर हो गया है, जिसके कारण दुर्घटना होते रहती है। पुल पुराना और संकरा होने के साथ ही कचरे से भरा है, जिससे पानी की निकासी बाधित हो रही है और नहर का पानी सड़क पर बह रहा है। स्थानीय लोगों ने पुल के पुर्निर्माण की मांग की है। इसी प्रकार उप स्वास्थ्य केन्द्र मोरिद में बुनियादी सुविधाओं उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि केन्द्र में एकमात्र ए.एन.एम. की ड्यूटी के कारण सप्ताह में कई दिन ओपीडी बंद रहती है। स्वास्थ्य केंद्र में पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। शुगर व बीपी की दवाइयाँ लंबे समय से उपलब्ध नहीं है। बीपी मापने की मशीन छह माह से खराब है, वहीं शुगर जांच की स्ट्रिप्स न होने से मरीजों को परेशानी हो रही है, जिससे गरीब तबके के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने को कहा।

सुपेला निवासी ने सहारा कंपनी में जमा राशि दिलाने आवेदन दिया। सहारा कंपनी में वर्ष 2015 में जमा की गई एफडी की राशि अब तक नहीं मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि उसने कुल 8 एफडी में 1.50 लाख रुपये जमा किए थे। कंपनी में ऑनलाइन आवेदन किया गया था, जिसमें 45 दिनों के भीतर भुगतान का आश्वासन दिया गया था। लेकिन आवेदन के कई महीने बीत जाने के बावजूद अब तक एक भी पैसा नहीं मिला है। बार-बार ऑनलाइन स्टेटस चेक करने पर केवल प्रोसेस में है बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वह रोजी-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है और कर्ज लेकर जीवनयापन कर रहा है। लगातार आर्थिक दबाव के कारण वह मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहा है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने संबंधित नोडल अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।